जीवन दर्शन

जिसमें दया नहीं है, वह तो जीते जी ही मुर्दे के समान है। दूसरे का भला करने से ही अपना भला होता है.- अज्ञात

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

बुधवार 11 फरवरी, 2026 ■ वर्ष 15 ■ अंक 1 ■ इंदौर-भोपाल से प्रकाशित ■ पेज 8 ■ मूल्य रु 2.00

जोस बटलर बोले- वैभव जैसा खिलाड़ी कभी नहीं देखा, उनकी ...

पृष्ठ 8 पर

न्यूज ब्रीफ

भारत और पाकिस्तान मैच दिल्ली-मुंबई से कोलंबो फ्लाइट 5 गुना महंगी हुई

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 का मैच 15 फरवरी को श्रीलंका के कोलंबो में शाम 7 बजे से खेला जाएगा। अगर आप इस मैच को देखने के लिए 14 और 15 फरवरी को फ्लाइट से कोलंबो जाना चाहते हैं, तो आपको 5 गुना तक किराया चुकाना पड़ेगा। मेकमायट्रिप की वेबसाइट पर मंगलवार (10 फरवरी) को 14 और 15 फरवरी को दिल्ली-मुंबई से कोलंबो फ्लाइट का किराया एक पैसेंजर के लिए 1.45 लाख तक दिखा रहा है। आम दिनों में कोलंबो की डायरेक्ट फ्लाइट का किराया 30 हजार रुपए के आस-पास तक रहता है। वहीं कोलंबो में बड़े होटलों का किराया भी 1.14 लाख तक पहुंच गया है। दिल्ली से कोलंबो जाने में डायरेक्ट फ्लाइट से करीब 4 घंटे लगते हैं।

सीबीएसई 12वीं की एक करोड़ कॉपियां डिजिटल जांचेगा 32 करोड़ पन्ने स्कैन होंगे

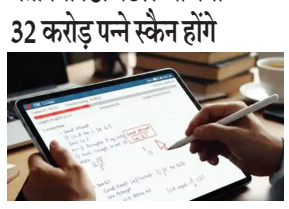

नई दिल्ली। सीबीएसई 12वीं की बोर्ड परीक्षा 17 फरवरी से 10 अप्रैल तक होगी। इस बार 12वीं के 17 लाख से अधिक परीक्षार्थियों की कॉपियां ऑन स्क्रीन मार्किंग सिस्टम से जांची जाएंगी। मतलब ये कि इन्हें डिजिटल तरीके से जांचा जाएगा। इसके लिए हर छात्र की सभी उत्तरपुस्तिकाओं के हर पन्ने को परीक्षा केंद्र में ही स्कैन करके कंप्यूटर सिस्टम में अपलोड किया जाएगा। करीब 1 करोड़ कॉपियों के लगभग 32 करोड़ पन्ने स्कैन करके अपलोड होंगे। परीक्षक इन डिजिटल कॉपियों की जांच करके ही नंबर देंगे। 10वीं बोर्ड परीक्षाओं की कॉपियों की चेकिंग पहले की तरह कागज पर ही होगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज के मुताबिक इस नई व्यवस्था से उत्तर पुस्तिकाओं के ट्रांसपोर्ट में लगने वाला समय और खर्च बचेगा।

रणवीर सिंह को जान से मारने की धमकी, करोड़ों रुपए की फिरौती मांगी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को मंगलवार को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी वॉट्सएप पर भेजे गए एक वॉइस नोट के जरिए दी गई है, इसमें आरोपी ने करोड़ों रुपए की फिरौती की मांग की है। सूत्रों के मुताबिक, धमकी मिलने के तुरंत बाद मुंबई पुलिस ने रणवीर सिंह के बांद्रा स्थित आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी है। अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और आने-जाने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। यह घटना फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित घर के बाहर 31 जनवरी को पांच राउंड फायरिंग की घटना के बाद आया है, इससे मुंबई पुलिस मामले में ज्यादा सजग है।

लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश, 9 मार्च को प्रस्ताव पर चर्चा होगी

नई दिल्ली ■

विपक्ष ने मंगलवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश कर दिया। इसमें 118 सांसदों के हस्ताक्षर हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ओम बिरला अब लोकसभा नहीं जाएंगे। अविश्वास प्रस्ताव के गिरने के बाद ही वह स्पीकर की चेयर संभालेंगे।

एजेंसी के मुताबिक विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर सदन में 9 मार्च को चर्चा हो सकती है। 13 फरवरी को बजट सत्र के वर्तमान सेशन का आखिरी दिन है। इसके

बाद 8 मार्च से सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होगी। इससे पहले बजट सत्र के 10वें दिन संसद दो बार स्थगित हुई। दोपहर 2 बजे से संसद की कार्यवाही शुरू हो सकी। शशि थरूर ने बजट पर चर्चा की शुरूआत की।

अखिलेश यादव बोले- नए लेबर कोड लेबर के ही पक्ष में नहीं है

अखिलेश यादव ने कहा कि इस डील और ढील के बाद रुपये का क्या हाल होगा सरकार बताए। यादव ने कहा कि सरकार उद्योगपतियों के साथ खड़ी है। ये लेबरकोड लाए जो लेबर के पक्ष में ही नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार अपना आवंटित बजट ही खर्च नहीं कर रही है। पीएम ने गोद लिए गांव को अनाथ छोड़ दिया। सरकार मेरे सवालों का जवाब दे। सभी क्षेत्र की रैंकिंग में हम काफी नीचे आ गए हैं। 2047 तक विकसित भारत तो नहीं बनेगा लेकिन गरीबों के साथ बहुत अन्याय होगा।

पेंगुइन का दावा-किताब पब्लिश नहीं हुई

पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी पर पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि किताब अभी तक प्रकाशित नहीं हुई। इसका कोई हिस्सा सार्वजनिक नहीं किया गया। कंपनी ने कहा कि पब्लिशिंग के सभी राइट्स हमारे पास हैं। अब तक किताब की न तो कोई छपी हुई कॉपी आई है और न ही डिजिटल कॉपी सामने आई है।इसके जवाब में राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा- या तो नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन कंपनी। वहीं कंपनी के बयान को पूर्व आर्मी चीफ ने एक्स पर रीपोस्ट किया। उन्होंने लिखा- यह है बुक पर स्थिति। दरअसल, कंपनी की सफाई इसलिए आई क्योंकि किताब की अनअथॉराइज्ड कॉपियों के लीक और ऑनलाइन सकुर्लेशन का दावा सामने आया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर भी दर्ज की है। यह कार्रवाई अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन न्यूज फोरम पर मिली जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें दावा किया गया था कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी सकुर्लेट हो रही है। राहुल गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के बाहर कहा- एमएम नरवणे ने एक्स पर पोस्ट किया है, हेलो दोस्तों, मेरी किताब अब अवेलेबल है। लिंक फॉलो करें। हैप्पी रीडिंग। या तो एमएम नरवणे झूठ बोल रहे हैं, या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मैंने आर्मी चीफ पर विश्वास करना चुना।

असम में फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश, 2.43 लाख नाम हटे

गुवाहटी ■

चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को असम में हुए स्पेशल रिवीजन 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी। ईसी के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं।

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी। स्पेशल रिवीजन प्रक्रिया के बाद लिस्ट में 2,43,485 नाम हटाए गए हैं। अब फाइनल लिस्ट में 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिलाएं और 343 थर्ड-जेंडर शामिल हैं। स्पेशल रिवीजन की इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट वोटर

लिस्ट 27 दिसंबर 2025 को पब्लिश हुई थी। इस पर 27 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां करने का समय था। 22 नवंबर से 20 दिसंबर 2025 तक पूरे राज्य में घर-घर वेरिफिकेशन अभियान चलाया गया था। असम की 126 विधानसभा सीटों पर अगले तीन महीनों में चुनाव होने हैं। इससे पहले 27 दिसंबर 2025 को वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट रोल जारी किया गया था। इसमें 10,56,291 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे।

अमेरिकी संसद में एच-1बी वीजा खत्म करने वाला बिल पेश

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी संसद में एच-1बी वीजा प्रोग्राम को पूरी तरह खत्म करने के लिए एक बिल लाया गया है। फ्लोरिडा से रिपब्लिकन सांसद ग्रेग स्ट्यूबे ने इसे स्थानीय समयानुसार सोमवार को पेश किया। इस बिल को ह्यएंडिंग एक्सप्लॉइटेटिव इम्पोर्टेड लेबर एग्जेम्प्शंस एक्टह्व यानी निर्वासन एक्ट नाम दिया गया है। इसके जरिए इमिग्रेशन एंड नेशनलिटी एक्ट में संशोधन कर एच-1बी वीजा प्रोग्राम को 2027 तक समाप्त करने का प्रस्ताव रखा गया है। यह बिल ऐसे समय में लाया गया है, जब अमेरिका पहले से ही एच-1बी और एच-4 वीजा को लेकर जांच और सख्ती बढ़ा चुका है।

एआई कंटेंट पर 20 से लेबल लगाना जरूरी

डीपफेक वीडियो-फोटो भी 3 घंटे में हटाने होंगे

नई दिल्ली ■

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे एक्स (ट्विटर), यू-ट्यूब, स्नैपचैट और फेसबुक को अब अपने प्लेटफॉर्म पर शेयर किए जाने वाले एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कंटेंट पर लेबल लगाना होगा। इसके साथ ही डीपफेक वीडियो-फोटो भी 3 घंटे में हटाने होंगे।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को आदेश जारी किया है। इसमें क्ळ रूल्स 2021 में बदलाव किया गया है। बदले हुए नियम 20 फरवरी से लागू होंगे। इसका ड्राफ्ट सरकार ने 22 अक्टूबर

2025 को जारी किया था। नए नियम डीपफेक और एआई से बने कंटेंट को लेबल और ट्रेस करने के लिए हैं। मतलब, अब एआई कंटेंट में साफ लिखना होगा कि यह कंटेंट असली नहीं, एआई वाला है। इससे मिसइनफॉर्मेशन और चुनावी धांधली जैसी समस्याओं पर लगाम लगेगी।

सभी एआई ऑडियो-वीडियो लेबल लगाना होगा

नई रूल 3(3) के तहत, जो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एआई कंटेंट जैसी 'सिंथेटिकली जेनरेटेड इंफॉर्मेशन' क्रिएट करने देगा, उसे हर ऐसे कंटेंट पर प्रॉमिनेंट लेबल लगाना होगा। परमानेंट यूनिक मेटाडेटा/आइडेंटिफायर एम्बेड भी करना पड़ेगा। ये लेबल विजुअल में कम से कम 10% एरिया कवर करेगा या ऑडियो में पहले 10% टाइम में सुनाई देगा। मेटाडेटा को कोई चेंज, हाइड या डिलीट नहीं कर पाएगा। प्लेटफॉर्म्स को टेक्निकल तरीके अपनाने पड़ेंगे ताकि अपलोड होने से पहले ही चेक हो जाए कि ये एआई वाला है या नहीं।

नए आईटी नियमों में ये 3 बदलाव भी

■ **लेबल हटाना या छिपाना अब मुमकिन नहीं :** सोशल मीडिया कंपनियां अब एआई लेबल या उसके मेटाडेटा (पहचान की जानकारी) को हटाने या छिपाने की इजाजत नहीं दे सकतीं। एक बार लेबल लग गया, तो उसे वैसे ही रखना होगा।

■ **गंदे और भ्रामक कंटेंट पर लगाम :** सरकार ने कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे ऐसे ऑटोमेटेड टूल्स (सॉफ्टवेयर) इस्तेमाल करें, जो एआई के जरिए बनाए गए गैर-कानूनी, अश्लील या धोखाधड़ी वाले कंटेंट को रोक सकें।

■ **हर 3 महीने में चेतावनी देना अनिवार्य :** कंपनियों को हर 3 महीने में कम से कम एक बार अपने यूजर्स को वॉर्निंग देनी होगी। उन्हें बताना होगा कि अगर उन्होंने एआई का गलत इस्तेमाल किया या नियम तोड़े, तो उन्हें सजा या जुमार्ना भुगतना पड़ सकता है।

ग्वालियर के डबरा में नवग्रह पीठ कलश यात्रा के दौरान मची भगदड़, एक महिला की मौत

ग्वालियर ■

ग्वालियर के डबरा में मंगलवार को नवग्रह पीठ की कलश यात्रा के दौरान मची भगदड़ ने एक महिला की जान ले ली। हादसे में सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह कार्यक्रम पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा था, जिसमें भारी जनसैलाब उमड़ा था।

मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में मंगलवार को नवग्रह पीठ की कलश यात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई। सात लोग घायल हुए हैं, जिनमें ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। सभी को डबरा अस्पताल में भर्ती कराया गया है और एक

महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, अस्पताल में महिला के मृत घोषित होने के बाद आक्रोशित परिजन अस्पताल से शव लेकर कलश यात्रा स्थल के बीच लेकर पहुंच गए और प्रशासन को भगदड़ का जिम्मेदार ठहराया है। मृतक महिला की पहचान रति साहू के रूप में हुई है, जो हनुमान कॉलोनी की रहने वाली थी। गंभीर रूप से घायल महिला का नाम विमला है।

शबाना ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री बन सकती हैं

लंदन ■

अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। अब उनकी अपनी लेबर पार्टी के एक धड़े ने ही इस्तीफे की मांग कर दी है। हालांकि स्टार्मर अभी पद छोड़ने से इनकार कर रहे हैं। इस बीच, नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है।

कश्मीरी मूल की शबाना महमूद पीओके के मीरपुर से हैं। वह ब्रिटेन की गृह मंत्री बनने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर

वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी। दरअसल, ब्रिटेन में एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद की वजह से पीएम स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा है। मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था।

शहडोल में कांग्रेसियों ने सीएम को दिखाए काले झंडे, पुलिस ने नाबालिग को भी जेल में ठूंसा

शहडोल: मुख्यमंत्री मोहन यादव रविवार को शहडोल के दौरे पर रहे और दो कार्यक्रमों में शामिल हुए. मुख्यमंत्री आकर तो चले गए लेकिन इस दौरान जिले मचा बवाल अब भी जारी है. मुख्यमंत्री मोहन यादव के शहडोल दौरे के दौरान कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के बाद बुढार पुलिस की कार्रवाई अब सवालों में आ गई है. पुलिस ने बिना उम्र संबंधी दस्तावेजों की जांच किए ही एक नाबालिक युवक को सामान्य जेल भेज दिया. घटनाक्रम शहडोल के धनपुरी नगर पालिका क्षेत्र का है, जहां रविवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव करोड़ों रुपये की लागत से बने वाटर पार्क का लोकार्पण करने पहुंचे थे. इस दौरान मुख्यमंत्री के काफिला जब गुजर रहा था, बुढार थाना क्षेत्र के सरई कापा रोड गोपालपुर तिहारे के पास कुछ कांग्रेसी कार्यकताओं ने नगर में शुद्ध पेयजल की मांग को लेकर काले झंडे दिखाने शुरू कर दिए.

बाबरी मस्जिद का सपना देखने वालों... सीएम योगी की दो टूक, कहा- नहीं आएगी कयामत

बाराबंकी ■

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को बाराबंकी पहुंचे हुए थे. इस दौरान उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया है. उन्होंने कहा कि कुछ लोग हैं, जो अवसरवादी रवैया अपनाते हैं. जब संकट आता है तो राम याद आते हैं. बाकी राम को भूल जाते हैं. इसलिए भगवान राम भी उनको भूल चुके हैं. इन रामद्रोहियो के लिए कोई जगह नही बची, जो रामभक्तों पर गोली चला रहे थे. रामकाज में बाधक थे, जो लोग सपना देख रहे हैं बाबरी ढांचे का, उनको बता दे रहे हैं कि कयामत का दिन कभी नहीं आएगा.

कयामत के दिन के लिए मत जियो. हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो. यहां का कानून मानो, कानून मानोगे, कायदे से रहोगे, तो फायदे में रहोगे. नहीं तो आगे का रास्ता कहां

जाता है. अगर कानून कोई तोड़ेगा, तो रास्ता सीधे जहन्नुम की ओर जाता है, कानून तोड़कर कोई जन्नत जाने का सपना देख रहा है, तो यह सपना कभी पूरा नही होने वाला है.

कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे

सीएम योगी ने अपराधियों और उपद्रवियों को नसीहत देते हुए कहा कि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे. कानून कोई तोड़ेगा तो जहन्नुम ही जाओगे. हम लोगों ने कहा था कि राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे. बन गया न, वहीं पर मंदिर बना है. आज फिर हम कह रहे हैं कि कयामत के दिन तक भी बाबरी मस्जिद के ढांचे का पुनर्निर्माण होना ही नहीं है, जो कयामत के दिन के आने का सपना देख रहे हैं. ऐसे सड़-खप जाएंगे. वो दिन आना ही नहीं है. इसके अलावा सीएम योगी ने कहा कि जिनको विकसित भारत की संकल्पना पचती नहीं हैं, कुछ लोग साजिश कर रहे हैं. यह देश कभी कमजोर नहीं था. 2017 के पहले भी उत्तर प्रदेश था. कोई पर्व त्यौहार नहीं मना सकते थे. ना बेटियां, मंदिर, विद्यालय कोई सुरक्षित नहीं थे. राह चलते लूट लिया जाता था. किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा कर लिया जाता था. सुरक्षा हर व्यक्ति का अधिकार है, जो कानून तोड़ेंगा उसको ऐसी सजा मिलेगी की सात पीढ़ी याद रखेगी.

व्यंग्य : किताब नहीं छोड़ूंगा : भेज दो चाहे जेल में किताब लीक खेल में..!

ग्लोबल हेराल्ड न्यूज एनालिसिस GHNA

दिलीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार)

'भेज दो चाहे जेल में प्यार के इस खेल में' गीत के ये बोल कांग्रेस सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जिद के कारण अब कुछ इस तरह हो सकते हैं ' किताब नहीं छोड़ूंगा, भेज दो चाहे लीक के खेल में ' उन्हें पूर्व सैन्य अधिकारी नरवणे की किताब से बेहद प्यार है प्रमाण हाथों में लेकर सरकार को घेर रहे हैं, लेकिन उन तक पहुंची कैसे इसकी कड़ी जांच शुरू हो गई है. कौन दोषी, कौन जाएगा जेल बाद में पता चलेगा..?

राहुल गांधी का किताबी दांव उल्टा पड़ा : पुलिस की कड़ी जांच शुरू : क्या होगा हश्र..?

पूर्व सेना अधिकारी मुकुंद नरवणे की जिस किताब को लेकर राहुल गांधी सरकार पर वार कर रहे थे, अब उसी किताब के प्रकाशक ने उनके साथियों की हवा निकाल दी है. प्रकाशक ने साफ कहा- किताब छपी ही नहीं है. प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस ने आधिकारिक बयान जारी कर सभी को चौंका दिया है. पेंगुइन ने साफ कहा कि किताब न तो अभी प्रकाशित हुई है, न ही इसकी कोई कॉपी डिजिटल या प्रिंट जनता के लिए जारी की गई है.कंपनी ने यह भी कहा कि अगर कोई कॉपी कहीं घूम रहा है, तो वह सीधे-सीधा कॉपीराइट का उल्लंघन है.अब सवाल यह उठ रहा है कि अगर प्रकाशक ने किताब छापी ही नहीं, तो राहुल गांधी के पास कैसे आई. राहुल गांधी के पास किताब की क्या कोई गैर-कानूनी प्रतिलिपि है..? इन सब बातों का खुलासा पुलिस की स्पेशल फोर्स की जांच में हो

जाएगा.वैसे भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में पहले ही कहा था कि किताब अभी प्रकाशित नहीं हुई है, जिसे राहुल ने 'झूठ' करार दिया था, लेकिन अब प्रकाशक की सफाई ने राहुल गांधी को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है.साफ है कि कांग्रेस जिस नैरेटिव के माध्यम से सरकार को चाहती थी, वह अब अपने ही गले की प्रशंसक बन गई है.

अब सोशल मीडिया पर जैसे मीम्स और आलोचकों की बाढ़ आ गई है. लोग राहुल गांधी को ट्रोल कर रहे हैं, तो कई लोग सवाल कर रहे हैं कि संसद को सर्कस क्यों बनाया गया..? उपभोक्ता पूछ रहे हैं कि राहुल गांधी ने देश की सुरक्षा से जुड़ी कानूनी जानकारी वाली किताब को गैर-कानूनी तरीके से क्या हासिल किया..? कुछ लोग तो यहां तक ??कह रहे हैं कि उन पर 'ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट' लगाना चाहिए. कुछ लोग इसे भारतीय लोकतंत्र का सबसे घिनौना चेहरा बता रहे हैं.इधर नरवणे ने भी प्रकाशक का समर्थन कर दिया,इसका कारण उनकी पेंशन रुकना भी हो सकता है. खैर इसके बावजूद राहुल गांधी का कहना है कि या तो प्रकाशक झूठ बोल रहा या नरवणे, लेकिन ऐसे आरोप के बावजूद अब देखना है कि झूठ का क्या हश्र होता है..?

भागीरथपुरा में दो और ने गंवाई जान

75 वर्षीय बुजुर्ग और दो साल की बच्ची ने तोड़ा दम

इंदौर ■

भागीरथपुरा में दूषित पानी से मौतों का सिलसिला जारी है। मंगलवार को बस्ती में दो लोगों की मौत हो गई। इनमें दो साल की बच्ची सिया भी शामिल है। इसके अलावा 75 वर्षीय शालिग्राम ठाकुर की भी जान चली गई। उन्हें सात दिन पहले उल्टी दस्त की शिकायत के चलते निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था।

परिजनों का कहना है कि उन्हें लकवे की शिकायत थी, अन्य कोई बीमारी नहीं थी। उधर, दो वर्षीय सिया प्रजापति को भी दिसंबर में उल्टी दस्त की शिकायत के चलते भर्ती किया गया था। बाद में उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। परिजनों का कहना है कि बीमार होने के कारण सिया काफी कमजोर हो गई थी और उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। उसे लीवर की शिकायत थी। फिलहाल दोनों मौतों को मौत की पुष्टि स्वास्थ्य विभाग ने डायरिया की वजह से नहीं की है। डॉक्टरों का कहना है कि दोनों को दूसरी बीमारियां भी थीं। बता दें, अब तक 35 मौतें दूषित पानी के कारण हो चुकी हैं। हालांकि, हाईकोर्ट में अफसरों ने 16 लोगों की मौत ही डायरिया से होने की बात मानी है। भागीरथपुरा की बच्ची सिया प्रजापति की मौत को लेकर एमवाय अस्पताल के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग के प्रमुख अशोक लड्ढा ने स्पष्टीकरण दिया है।

जनसुनवाई में दिखी संवेदनशील शासन व्यवस्था की मिसाल किडनी इलाज से स्वस्थ बालक ने किया आभार व्यक्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील एवं लोककल्याणकारी शासन व्यवस्था को साकार करने के उद्देश्य से प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की गई। आयोजित जनसुनवाई में आज एक भावुक दृश्य देखने को मिला, जब जनसुनवाई से लाभान्वित एक बालक अपनी दोनों किडनी के सफल इलाज के बाद आभार व्यक्त करने कलेक्टर कार्यालय पहुंचा।

बालक अपने पिता के साथ जनसुनवाई में उपस्थित हुआ और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उपलब्ध कराई जा रही जनहितकारी व्यवस्थाओं तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की संवेदनशीलता के प्रति आभार व्यक्त किया। बालक के पिता रफीक शाह ने बताया कि उनके पुत्र तैयब की दोनों किडनी खराब हो गई थीं। इलाज के लिए समुचित चिकित्सीय व्यवस्था सुनिश्चित की गई। अस्पताल में उसकी बीमारी की जांच, इलाज से लेकर खान-पान तक हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराई गई। महंगे से महंगे इंजेक्शन भी लगवाए गए। इलाज से संबंधित यह पूरा खर्च रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से वहन किया गया। स्वस्थ होने के बाद बालक तैयब ने अपनी बचत राशि से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के लिए बिस्कुट का पैकेट खरीदा और आज जनसुनवाई में उन्हें भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान बालक के पिता ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग दंपत्ति श्याम पटेल और उनकी पत्नी सरस्वती पटेल को आवास की सौगात मिली। दिव्यांग श्री श्याम पटेल, जो ई-ऑटो रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, ने बताया कि उनका सपना अपना खुद का घर बनाने का था। इसी उद्देश्य से वे जनसुनवाई में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा से मिले। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत उनका आवास स्वीकृत करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही बताया गया कि बुकिंग राशि शासन द्वारा वहन की जाएगी, जबकि शेष राशि हितग्राही को किस्तों में जमा करना होगी। श्याम पटेल ने अपनी बचत से नियमित किस्त जमा करने की बात कही तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई से किसी को इलाज, किसी को मकान के लिये मिली मदद

जनसुनवाई में एक अन्य प्रकरण में पीड़ित राजू थोरात अपने हाथ के उपचार के बाद कलेक्टर का धन्यवाद ज्ञापित करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की बेहतर शासन व्यवस्था के कारण आम लोगों की सुनवाई हो रही है और उन्हें समय पर इलाज मिल रहा है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने उनका हाथ पूरी तरह ठीक होने के बाद कृत्रिम हाथ लगाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए। इसी क्रम में श्रीमती पूजा वोहरा भी अपने पति के सफल उपचार के बाद जनसुनवाई में आभार व्यक्त करने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि उनके पति के हृदय रोग का उपचार शासन-प्रशासन की मदद से संभव हो पाया और अब उनकी स्थिति काफी बेहतर है। उन्हें आश्वस्त किया गया कि आगे भी आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पंवार, श्रीमती निशा डामोर, रोशन राय, रिकेश वेश्य सहित अन्य अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याओं को सुनकर हाथो-हाथ निराकरण किया।

जनसुनवाई में आमजन लेकर आएं अपनी समस्याएं...,

पुलिस कमिश्नर ने प्रत्येक आवेदक से संवाद कर दिलाया त्वरित समाधान का विश्वास

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश शासन के निदेर्शानुसार आमजन की शिकायतों का निराकरण करनें एवं समस्याओं का त्वरित समाधान करनें के लिए प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती हैं। जिसके तारतम्य में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा आज दिनांक 10.02.26 को कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई में आमजन की शिकायत एवं समस्याओं को सुना तथा त्वरित निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दियें।

जनसुनवाई के दौरान आज प्रमुख रूप से पारिवारिक/घरेलू विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेनदेन, फाइनेंशियल फ्रॉड, सुनवाई न होने, प्लाट/जमीन की धोखाधड़ी संबंधी विवाद, महिला अपराध संबंधी एवं अन्य पुलिस से संबंधित समस्याओं के 77 शिकायत आवेदन प्राप्त हुए । पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा महिलाओं और बुजुर्गों सहित व्यक्तिगत रूप से प्रत्येक आवेदक के साथ संवाद कर, उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना और उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तत्काल कार्यवाही करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। साथ ही नागरिकों को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा और हितों के संरक्षण के लिए सदैव तत्पर है। इस दौरान अति पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) इंदौर श्री अमित सिंह एवं सभी जोन के अन्य अधिकारियों ने भी उपस्थित रहकर पुलिस कमिश्नर के निदेर्शानुसार संबंधित आवेदकों की समस्याओं विस्तार पूर्वक सुन कार्यवाही की गई।

गरोठ शामगढ भानपुरा रहवासी संघ का मिलन समारोह व संघ का गठन

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। रविवार 8 फरवरी को इंदौर के गरोठ शामगढ भानपुरा क्षेत्र के इंदौर में रहने वाले निवासियों का पालिया रोड पर गरोठ जैविक फार्म पर मिलन समारोह हुआ इसी अवसर पर गरोठ शामगढ भानपुरा क्षेत्रवासी रहवासी संघ का गठन किया गया , रहवासी संघ के संरक्षक विमल चौधरी, ओमप्रकाश फरक्या बने, जबकि मदन अग्रवाल अध्यक्ष,विमल जैन एवं ज्ञानेश पाण्डेय उपाध्यक्ष, विमल छाजेड सचिव एवं आल्विन सर सह सचिव चुने गए.इस अवसर पर क्षेत्र के सभी रहवासियों की एक टेलिफोन डायरेक्टरी निकालने का भी निर्णय लिया गया.

डेढ करोड से ज्यादा लागत से सांवेर में विकास कार्यों की सौगात मिली

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि सांवेर विधानसभा की 110 ग्राम पंचायतों में एक हजार करोड से भी ज्यादा राशि के विकास कार्य हो गए हैं, सांवेर में विकास के पंख लगे है, जिससे सभी वर्गो को लाभ हो रहा है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी के नेतृत्व में सांवेर नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। वर्तमान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल जी द्वारा डेढ करोड की लागत के 10 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन और आजीविका भवन निर्माण की स्वीकृतियां दी है, जिसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूँ। मंत्री सिलावट ने बताया कि सांवेर के ग्राम पंचायत धनखेडी, हरियाखेडी बीबीखेडी, गारिया, गारी पिपलिया, में 60 लाख की लागत से सामुदायिक भवन और ग्राम पंचायत कदवाली बुजुर्ग, जैतपुरा, टाकुन, पंचडेरिया, बावलियाखेडी, बुढी बरलाई में स्व-सहायता समूहो की महिलाओं के लिए 90 लाख की लागत से आजीविका भवनों का निर्माण किया जाएगा। ग्राम पंचायत शिवनी में भी 10 लाख की लागत से तालाब सौन्दर्याकरण कार्य होगा।

संभागायुक्त खाड़े की अध्यक्षता में इंदौर नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक सम्पन्न

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में संभागायुक्त कार्यालय में आज इंदौर संभाग नजूल भूमि निर्वर्तन निर्देश 2020 के अंतर्गत बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में मध्यप्रदेश नजूल भूमि निर्वर्तन निर्देश के अंतर्गत भूमि आवंटन प्रकरणों पर विचार किया गया। बैठक में इंदौर संभाग के अपर आयुक्त तरूण भटनागर, उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी, नगर एवं ग्राम निवेश विभाग के संयुक्त संचालक सुभाषीश बैनर्जी, मुद्रांक एवं पंजीयन विभाग के वरिष्ठ पंजीयक अमरेश नायडू सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

महू रेलवे स्टेशन विस्तार को हरी झंडी: जमीन अधिग्रहण शुरू महाराष्ट्र और गुजरात कनेक्टिविटी को मिलेगी रफ्तार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में डॉ. आंबेडकर नगर महू रेलवे स्टेशन को लंबी दूरी की ट्रेनों का स्टॉपेज बनाने की कवायद के तहत ब्रॉड गेज लाइन बिछाए जाने के बाद कई ट्रेनों का संचालन शुरू हो चुका है। हालांकि, स्टेशन परिसर में जगह की कमी के कारण स्टेशन विस्तार और ट्रेनों के ठहराव में परेशानी आ रही थी।

इसी को देखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा रक्षा मंत्रालय को भूमि अधिग्रहण के लिए पत्र लिखा गया था। रेलवे स्टेशन के समीप स्थित अवैध खान, कंचन विहार और खान कॉलोनी क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। अतिक्रमण हटने से रेलवे को लगभग साढ़े तीन एकड़ भूमि उपलब्ध होगी, जिससे स्टेशन विस्तार में आ रही बाधाएं दूर होंगी।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

मंगलवार को रक्षा संपदा विभाग, केंट बोर्ड महू और पश्चिम रेलवे के अधिकारियों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान जेसीबी, पोकलेन, डंपर, ट्रैक्टर सहित अन्य भारी मशीनों का उपयोग किया गया। कर्मचारियों द्वारा कई मकानों को हथौड़ों से तोड़ा गया। उल्लेखनीय है कि नोटिस जारी होने के बाद कुछ लोगों ने स्वयं भी अपने अतिक्रमण हटाने शुरू कर दिए थे। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए आरपीएफ, जीआरपी और मध्यप्रदेश पुलिस का बल तैनात रहा।

कार्रवाई का विरोध : अतिक्रमण हटाने के दौरान क्षेत्रवासियों ने कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि वे वर्षों से यहां निवास कर रहे हैं और मकान टूटने से वे बेसहारा हो जाएंगे। लोगों की आपत्तियों के बावजूद अधिकारियों ने कार्रवाई जारी रखी। इस मामले में राकेश परमार (एसडीएम महू) ने कहा कि रेलवे की जमीन है रक्षा संपदा विभाग द्वारा नोटिस जारी किए थे इसके बाद अवैध रूप से निर्मित मकान एवं अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

मनमाड एवं गोधरा से कनेक्टिविटी

डॉ. आंबेडकर नगर महू से मनमाड तथा दाहोद-गोधरा रेल परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। कार्य पूर्ण होने के बाद महू से खंडवा होकर महाराष्ट्र जाने वाली ट्रेनों की संख्या में वृद्धि होगी। वहीं दाहोदझगोधरा लाइन शुरू होने से धार और झाबुआ क्षेत्र के यात्रियों को गुजरात जाने में सुविधा मिलेगी। वर्तमान में महू से रीवा, प्रयागराज इंटरसिटी सहित कई ट्रेनें संचालित हो रही हैं। इसके अलावा कई ट्रेनें महू स्थित लोको शेड में धुलाई के लिए आती हैं। स्टेशन विस्तार के बाद आने वाले दिनों में ट्रेनों की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

प्राकृतिक आपदा से पीड़ित परिजन को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

इंदौर। प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित व्यक्तियों को निःशुल्क आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने हेतु मध्यप्रदेश राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड क्रमांक 6(4) तथा संशोधित प्रावधानों के तहत जिला प्रशासन द्वारा आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। देपालपुर अनुविभागीय अधिकारी श्री आर.एम. त्रिपाठी ने बताया कि इंदौर जिले की तहसील देपालपुर के ग्राम रामपुरिया निवासी स्व. मनीष पिता मुकेश की विगत 28 नवंबर 2025 को कुएँ में डूबने से मृत्यु हो गई थी। उक्त दुर्घटना के पश्चात मृतक की पत्नी आवेदिका श्रीमती जया पति स्व. मनीष को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

बेटियों के सामने तराजू से तोलता था गांजा, पत्नी ने किया भंडाफोड़

पान दुकान की आड़ में नशे का कारोबार, वीडियो सबूत के साथ पुलिस कमिश्नर तक पहुंची महिला

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर। मल्हारगंज थाना क्षेत्र से नशे के अवैध कारोबार का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने ही पति की करतूतों का खुलासा करते हुए पुलिस कमिश्नर को वीडियो सबूत सौंप दिए। महिला के पति बुद्ध किरण भिड़े पर आरोप है कि वह पान की दुकान की आड़ में गांजे की अवैध बिक्री करता था और यह पूरा कृत्य वह अपनी नाबालिग बेटियों के सामने तराजू से गांजा तोलकर पुड़िया बनाते हुए करता था।

महिला का कहना है कि घर और बच्चों के भविष्य को बर्बाद होते देख वह लगातार पति को इस गोरखधंधे से दूर रहने के लिए समझाती रही, लेकिन जब उसने विरोध किया तो पति ने उसके साथ मारपीट की, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और सिर में पांच टांके तक लगाने पड़े। घटना के बाद महिला ने वकील कृष्णकुमार कुन्हारे और रूपाली राठौर की मदद से पति की अवैध गतिविधियों के वीडियो साक्ष्य एकत्र किए और सीधे पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के समक्ष पेश किए। वीडियो में साफ तौर पर गांजे की तौल और पुड़िया बनाते हुए गतिविधियां कैद बताई जा रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए महालक्ष्मी नगर क्षेत्र से आरोपी पान दुकान संचालक बुद्ध किरण भिड़े को गिरफ्तार कर लिया।

बच्चों के सामने अपराध, कानून की नजर में गंभीर मामला

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नाबालिग बच्चों के सामने मादक पदार्थों का कारोबार करना एक गंभीर अपराध है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

इंटरनेट दिवस मनाया गया

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आज इंदौर में सुरक्षित इंटरनेट दिवस मनाया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के निदेर्शानुसार हर वर्ष के फरवरी माह के द्वितीय मंगलवार को सुरक्षित इंटरनेट दिवस विश्व भर में मनाया जाता है। इसी तारतम्य में इस वर्ष भारत सरकार द्वारा सुरक्षित इंटेरनेट दिवस को स्मार्ट तकनीक, सुरक्षित विकल्प - एआई (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) के सुरक्षित और ज़िम्मेदार उपयोग पर मनाया जा रहा हैं । विश्व इंटरनेट दिवस पर आज जागरूकता कार्यशाला का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर में किया गया । इस आयोजन मे एनआईसी के निदेशक श्री शैलेंद्र कुमार नाहर, डीआईओ सुश्री शीतल पाठक ने सुरक्षित इंटरनेट विषय पर जानकारी दी और छात्र-छात्राओं से परिचर्चा कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने डिजिटल युग में बढ़ते साइबर खतरों के प्रति जागृति बढ़ाने और सुरक्षित तरीके से इंटरनेट उपयोग करने की जानकारी भी दी।

जानते हैं आपका पूरा जीवन कहाँ आकार लेता है ?

फिर भी जिंदगी हसीन है...
dreamsachieverspune@gmail.com

दोस्तों, आज मैं आपसे उस जगह की बात करना चाहता हूँ जहाँ से आपका पूरा जीवन आकार लेता है, आपका मन। आपका मन एक बगीचे की तरह है और आपके विचार, उसमें बोए गए बीज। अब यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है कि आप उसमें फूल उगाते हैं या खरपतवार। बस इस बगीचे में विचारों के बीज बोते वक्त एक बात याद रखियेगा कि हमें किसी भी हाल में काँटे नहीं उगाने हैं क्योंकि वे न तो आपको सुख देंगे और ना ही किसी और को।

निर्मल भटनागर (एजुकेशनल कंसलटेंट एवं मोटिवेशनल स्पीकर)
ग्लोबल हेराल्ड

चलिए, इसे थोड़ा और विस्तार से समझते हैं। हमारे विचार हमारी भाषा बनती है; हमारी भाषा हमारा व्यवहार बनती है और हमारा व्यवहार ही हमारा भविष्य गढ़ता है, लेकिन अक्सर हम इस साधारण से सूत्र को भूल जाते हैं। अगर मन में ईर्ष्या होगी तो बगीचे में खरपतवार उगेगी। अगर मन में डर होगा, तो काँटे उगेंगे और अगर मन में विश्वास, करुणा और साहस होगा, तो जीवन रूपी बगीचे में फूल खिलेंगे। रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने इस सत्य को अपने जीवन में पूरी गहराई से जिया था। उनके विचारों को समझने के लिए आपको उनके जीवन को गहराई से देखना होगा। उन्होंने ऐसे समय में स्वतंत्र सोच और रचनात्मकता की बात की जब समाज डर, परंपरा और बंधनों से जकड़ा हुआ था। उन्होंने अपनी एक कविता में कहा था, जहाँ मन भय से मुक्त हो, और मस्तक ऊँचा उठा हो, वहीं सच्चा स्वर्ग है। यह पंक्ति केवल कविता का हिस्सा नहीं थी, बल्कि यह तो उनके मन के बगीचे में खिले फूल थे। आप उनके पूरे जीवन को देखेंगे तो पायेंगे कि टैगोर ने कभी अपने विचारों को नफरत, कटुता या बदले के काँटों से नहीं भरा। उन्होंने शिक्षा, कला और मानवता को सबके कल्याण के लिए उपयोग किया। उनका मानना था, हर इंसान के भीतर प्रतिभा का बीज होता है। लेकिन वह तभी अंकुरित होता है जब उसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिले। दोस्तों, यही कारण है कि प्रतिभा किसी एक व्यक्ति की जागीर नहीं है। उसके तत्व हम सभी में मौजूद हैं। लेकिन मुख्य प्रश्न यह है कि, 'क्या हम अपने मन को ऐसा वातावरण दे रहे हैं, जहाँ वह प्रतिभा पनप सके?' अगर मन लगातार नकारात्मक खबरों, तुलना, और डर से भरा रहेगा, तो फूल याने प्रतिभा के बीज घुट जाएंगे और अगर मन को स्वतंत्रता, सकारात्मकता और उद्देश्य के बीज मिले, तो साधारण व्यक्ति भी असाधारण बन जायेगा। एक बात और याद रखिएगा, आपके विचार केवल आपके नहीं रहते। वे आपके परिवार, आपके बच्चों, आपके कार्यस्थल और समाज तक पहुँचते हैं। इसलिए यह आपकी ज़िम्मेदारी है कि आप अपने मन में अच्छे विचारों के बीज बोयें। इसलिए आज ही एक छोटा-सा संकल्प लीजिए और कहिए, आज से मैं अपने मन के बगीचे की देखभाल करूँगा। मैं अब कभी भी उसमें घृणा के बीज नहीं बोऊँगा और साथ ही निराशा को खाद और भय को पानी नहीं बनाऊँगा। मैं अपने विचारों में स्वतंत्रता रखूँगा, अपनी प्रतिभा को कभी नहीं दबाऊँगा, और अपनी क्षमता का उपयोग सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि सबके भले के लिए करूँगा।

दोस्तों, जब ईश्वर-प्रदत्त क्षमताएँ स्वतंत्र होकर मानव कल्याण के लिए काम करती हैं, तभी असली प्रतिभा प्रकट होती है, और समाज आगे बढ़ता है। याद रखिएगा, बगीचा आपका है, बीज आपके हैं, और भविष्य भी आपके ही हाथों में है।

लोक अदालत का आयोजन 14 को

इंदौर। कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निदेर्शानुसार 14 मार्च 2026 को समस्त न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला के निर्देशन में म.प्र. उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में 14.03.2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। समस्त पक्षकारों एवं अधिवक्तागण से अपील की गई है कि उपरोक्तानुसार म०प्र० उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में लंबित प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलह एवं समझौते के आधार पर निराकृत कराने हेतु म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, ओ.एस.डी/रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार (एम), संबंधित सेक्शन एवं विधिक सहायता अधिकारी, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर से संपर्क कर अपने प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में रखने हेतु आवेदन/सूचना दे सकते हैं।

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स यूके समिट एवं अवॉर्ड्स का सफल आयोजन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के द पार्क होटल में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स समिट एवं अवॉर्ड्स का सफल आयोजन किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में 35 देशों से आए प्रतिनिधि, विशेषज्ञ और विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करना और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संतोष शुक्ला, अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अल्मा एवं वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, तथा चेयरमैन, साउथ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स, ब्रिटेन के पांच बार सांसद एवं लेबर पार्टी के वरिष्ठ नेता वीरेंद्र शर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया यूके की राजनीति में 50 वर्षों की उल्लेखनीय सेवा के लिए। वे पिछले दस वर्षों से वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से संरक्षक भी हैं। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से पधारे विल्हेम जेजलर एवं पूनम जेजलर, अध्यक्ष (यूरोप), वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इसके अलावा प्रोफेसर एवं अंतरराष्ट्रीय कवि राजीव शर्मा, नेपाल से दिल सागर कटवाल और लंदन से सॉलिसिटर सुशील गायकवाड़ सहित कई प्रतिष्ठित अतिथि कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर पद्म विलोचन शुक्ला, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (रेल), इंदौर; कीर्ति किरण पुजार, आईएएस, धाराशिव, महाराष्ट्र; अश्विनी अनिल राव लाठकर, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), जिला परिषद, छत्रपति संभाजीनगर; राधेश्याम राय, निदेशक एवं प्रबंध संपादक, भारत एक्सप्रेस न्यूज नेटवर्क; एडीसीपी राजेश दंडोतिया तथा संजय अग्रवाल, चेयरपर्सन, गोल्ड कॉइन सेवा ट्रस्ट सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

इंदौर में अवैध मदिरा के विरुद्ध अभियान

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देश पर गत दिवस आबकारी विभाग इंदौर द्वारा जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध एवं अमानक मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई। इस दौरान साँवेर वृत्त उप निरीक्षक सुश्री त्रिअंबिका शर्मा द्वारा ग्राम महाराजगंज खेड़ा क्षेत्र में गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधि के आधार पर खुले मैदान में तलाशी ली गई।

इंदौर के बाजारों में 'क्लीन स्वीप', खरीदारी के समय पुलिस ने होर्डिंग उखाड़े, दर्जनों गाड़ियां जब्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में लगातार बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की स्थिति को देखते हुए आज ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम की टीम ने स्थानीय पुलिस थानों के बाल के साथ संयुक्त रूप से क्लीन स्वीप अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नकेल कसी गई और सड़कों को घेरकर खड़े अतिक्रमण को भी हटाया गया। मुख्य रूप से राजबाड़ा, जेल रोड, नॉवल्टी बाजार और डॉलर मार्केट में हुई इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में गाड़ियों को जब्त किया गया। शाम के समय जब बाजारों में सबसे अधिक भीड़ होती है उसी समय को कार्रवाई के लिए चुना गया ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि पूरी सड़क का ट्रैफिक जाम क्लियर हो रहा है या नहीं।

पुलिस की यह कार्रवाई मुख्य रूप से राजबाड़ा, सराफा, मारोठिया बाजार और जेल रोड जैसे क्षेत्रों में केंद्रित रही। इन इलाकों में वाहनों की बेतरतीब पार्किंग और फुटपाथ पर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण के कारण पैदल चलना भी दूभर हो गया था।

दुकानदारों के होर्डिंग और स्टैंडी भी जप्त किए

इस दौरान नो-पार्किंग में खड़े वाहनों और बिना हेलमेट/लाइसेंस वाहन चलाने वालों के खिलाफ मौके पर कार्रवाई की गई। सभी वाहनों को जप्त किया गया। बार-बार चेतावनी के बाद भी कार्रवाई के दौरान सड़क पर बीच में आवाजाही कर रहे वाहनों को पकड़कर क्रेन की मदद से ट्रैफिक थाने भिजवाया गया। वहीं दुकानदारों द्वारा दुकानों के बाहर फैलाए गए सामान और अवैध ठेलों को भी हटाया गया। दुकानदारों के द्वारा सड़कों पर रखे होर्डिंग और स्टैंडी भी पुलिस ने जप्त कर लिए। व्यापारी हिम्मत सिंह जादौन ने कहा कि व्यापारी इस कार्रवाई का स्वागत करते हैं क्योंकि इससे आवाजाही आसान होगी और अधिक संख्या में ग्राहक आएंगे। हमें भी बार बार गाड़ियां हटाने की परेशानी नहीं होगी और विवाद भी कम होंगे। वहीं कुछ स्थानीय व्यापारियों ने यह भी कहा कि आसपास के क्षेत्रों में पार्किंग के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

पुलिस ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी द्वारा यातायात पुलिस टीम के साथ मुख्य बाजारों में पैदल भ्रमण किया गया। इस दौरान क्षेत्र के व्यापारीगण भी उनके साथ उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान राजवाड़ा, सराफा, कपड़ा मार्केट, खजूरी बाजार, सुभाष चौक एवं आसपास के पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया गया तथा यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थिति एवं नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया गया। पुलिस उपायुक्त द्वारा दुकानदारों एवं व्यापारियों से अपील की गई कि वे अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों में ही पार्क करें, जिससे दुकानों के बाहर बनी सफेद पट्टी के भीतर ग्राहक अपने वाहन अल्प समय के लिए खड़े कर सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी दुकान के बाहर कोई वाहन लंबे समय तक खड़ा रहता है, तो उसे अवैध पार्किंग की श्रेणी में माना जाएगा।उन्होंने बताया कि ऐसे वाहनों की शिकायत नागरिक एवं व्यापारी यातायात पुलिस व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर कर सकते हैं, जिस पर यातायात पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाएगी। साथ ही वाहन चालकों से भी अपील की गई कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग में ही खड़े करें एवं नो पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा कर यातायात बाधित न करें।

टीआई बोले लगातार ट्रैफिक जाम की वजह से बड़ी कार्रवाई की

ट्रैफिक टीआई अरविंद सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में लगातार ट्रैफिक जाम हो रहा है। हम लोगों को कई दिनों से समझाइश दे रहे हैं लेकिन लोग फिर भी नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसी वजह से आज ट्रैफिक पुलिस, नगर निगम और स्थानीय थानों की पुलिस के साथ सामूहिक अभियान चलाना पड़ा। आज हमने बड़ी संख्या में वाहन जब्त किए हैं और अब इन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शहर के बाजारों में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाना हमारी प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वालों और सड़कों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

नई रिंग रोड में आ रही 25 गांवों की जमीन अधिग्रहण में देरी से शुरू नहीं हो पाया काम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के पश्चिमी बायपास का निर्माण अभी भी शुरू नहीं हो पाया है, जबकि निर्माण की मंजूरी केंद्रीय परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तीन साल पहले दी थी। 70 किलोमीटर लंबी इस सड़क में 25 गांवों की जमीन का अधिग्रहण होना है। अभी तक पांच गांवों की जमीन ही प्रशासन अधिगृहित कर पाया है। अधिग्रहण प्रक्रिया में हो रही देरी के कारण इस रिंग रोड के काम का मुर्हूत नहीं निकल पा रहा है,जबकि इस सड़क का निर्माण सिंहस्थ से पहले होना है, ताकि दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों को उज्जैन जाने में परेशानी न हो पाए।

यह सड़क डकाच्या गांव से होते हुए महू और पीथमपुर को जोड़ेगी। इसके निर्माण से महू, पीथमपुर और देवास के ग्रामीण क्षेत्र इंदौर के और करीब आ जाएंगे। मार्ग के आसपास बसाहट शुरू हो जाएगी। 70 किलोमीटर मार्ग के निर्माण पर चार हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस सड़क में1131 हेक्टेयर जमीन अधिगृहित होना है। इसमें 40 हेक्टेयर वन विभाग की जमीन है। पूर्वी बायपास 38 गांवों से होकर गुजरेगा। यह छहलेन बनेगा। दस साल पहले भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने नए पूर्वी बायपास का सर्वे किया था, लेकिन बाद में पुराने बायपास को ही चार लेन से छहलेन करने का काम शुरू हो गया था। इसके बाद नए बायपास के निर्माण की योजना ठंडे बस्ते में चली गई थी। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि जितनी जमीन मिल चुकी है, वहां बायपास निर्माण शुरू करने के लिए अफसरों को कहा गया है। इस बायपास के बनने से देवास, महू, पीथमपुर को भी फायदा होगा।

ट्रैफिक का दबाव कम होगा

- रियल इस्टेट मार्केट में तेजी आएगी। नई टाउनशिप और उद्योग खुल सकेंगे।
- सड़क के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों का व्यवस्थित विकास होगा। मास्टर प्लान की आंतरिक सड़कें बनेंगी।
- दिल्ली और मुबंई की तरफ जाने वाले वाहन इंदौर के बजाए सीधे बायपास से देवास और मानपुर की तरफ जा सकेंगे।
- वर्तमान पूर्वी बायपास पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। हादसों पर भी रोक लगेगी।

विजयवर्गीय ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर महाराणा प्रताप अस्पताल को भेट की एम्बुलेंस

इंदौर (ग्लोबल हेराल्ड)। मंगलवार 10 फरवरी को नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने अपने पूज्य पिताश्री स्वर्गीय श्री शंकरदयाल विजयवर्गीय (काकाजी) की पुण्यतिथि पर उनके द्वारा किये गए सेवा और समर्पण के संस्कारों को आगे बढ़ाने का विनम्र प्रयास किया है। इसी भाव से स्व. श्री शंकरदयाल विजयवर्गीय पारमार्थिक ट्रस्ट की ओर से इंदौर के बाणगंगा स्थित महाराणा प्रताप अस्पताल को एंबुलेंस भेंट की। नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने वहां दौरा किया था और बहुत सारे सुधार कार्य हम उसमें ला रहे हैं। अस्पताल से एक एंबुलेंस की मांग हमसे की गई थी और हमने एक एम्बुलेंस आज अस्पताल को भेंट की।

डॉग्स शेल्टर होम संचालित करेंगी संस्थाएं, निगम ने बुलाए आवेदन

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आवारा डॉग्स के लिए शेल्टर होम बनाए जाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इन शेल्टर होम में तय मानकों के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनके संचालन को लेकर नगर निगम के सामने चुनौती है। इसी को ध्यान में रखते हुए निगम ने शहर की सामाजिक और अन्य संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस संबंध में निगम की ओर से सूचना जारी की गई है।

नगर निगम ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत सूचना प्रकाशित कर स्पष्ट किया है कि वे संस्थाएं जो शेल्टर होम का संचालन नियम और कायदों के अनुसार कर सकती हैं, वे अपने प्रस्ताव निगम को भेज सकती हैं। शेल्टर होम के संचालन के लिए केंद्र सरकार की तय गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य होगा। इसके लिए निगम सामाजिक संस्थाओं और पशु कल्याण से जुड़ी संस्थाओं का सहयोग ले रहा है।

नगर निगम की ओर से हैदराबाद की एक फर्म की मदद से आवारा डॉग्स की नसबंदी का अभियान भी लगातार चलाया जा रहा है। इसके तहत रोज सुबह अलग-अलग क्षेत्रों में टीमें भेजी जा रही हैं, जो सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी का कार्य कर रही हैं।

20 से अधिक स्थानों पर बनेंगे शेल्टर होम

शहर में करीब 20 से अधिक स्थानों पर डॉग्स के लिए शेल्टर होम बनाए जाने की योजना है। ट्रेंचिंग ग्राउंड सहित कई इलाकों में इसके लिए जगह भी चिन्हित की जा चुकी है और कुछ स्थानों पर काम शुरू हो गया है।

भुगतान विवाद के चलते रुका था अभियान

हाल ही में हैदराबाद की फर्म एनिमल फॉर वेलफेयर सोसायटी ने निगम से भुगतान नहीं मिलने के कारण आवारा कुत्तों को पकड़ने का अभियान रोक दिया था। करीब 10 से 15 दिनों तक यह अभियान बंद रहा। बाद में निगम से आंशिक भुगतान मिलने के बाद फर्म ने दोबारा काम शुरू कर दिया।

वैष्णोदेवी दर्शन करने गया था परिवार, घर में हो गई की चोरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

बाणगंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बाणेश्वरी कुंड के पास स्थित डागर मोहल्ले में सनसनीखेज चोरी का मामला सामने आया है। यहां रहने वाले एक दंपति जब वैष्णोदेवी की धार्मिक यात्रा से वापस लौटे तो उनके होश उड़ गए। चोरों ने उनके बंद घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर और बड़ी मात्रा में नकदी पर हाथ साफ कर दिया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मकान मालिक विनोद यादव और उनकी पत्नी मनीषा यादव पिछले कुछ दिनों से वैष्णोदेवी यात्रा पर गए हुए थे। इस दौरान उनका घर पूरी तरह से सूना था। सोमवार को जब यह दंपति इंदौर वापस पहुंचा और अपने घर का दरवाजा खोला तो उन्हें अंदर का सारा सामान अस्त-व्यस्त मिला। अलमारियों के ताले टूटे हुए थे और कीमती सामान गायब था। पीड़ित परिवार ने जब घर के भीतर कीमती सामान की पड़ताल की तो पाया कि अलमारी में रखे लगभग 25 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण गायब थे। इतना ही नहीं चोरों ने वहां रखी 35 लाख रुपये की भारी-भरकम नकदी भी पार कर दी थी। कुल मिलाकर इस चोरी की वारदात में करीब 60 लाख रुपये से अधिक का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि विनोद यादव का रामनगर क्षेत्र में एक प्लॉट था जिसे उन्होंने हाल ही में बेचा था। इस सौदे के एवज में उन्हें 35 लाख रुपये नकद प्राप्त हुए थे। दंपति ने यह राशि किसी अन्य संपत्ति में निवेश करने के उद्देश्य से घर की अलमारी में सुरक्षित रखी थी।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मड़ाविया बोले- देश की बेरोजगारी दर दूसरे विकसित देशों से कम

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया मंगलवार को इंदौर में थे। उन्होंने कई कार्यक्रमों में शिरकत की और पत्रकारों से चर्चा भी की। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है। हमारी सरकार की मंशा है कि बजट केवल घोषणा तक सीमित न रहे। यह सालभर की कार्ययोजना होना चाहिए और अगले पांच साल की योजना से लिंक होना चाहिए, उसे विकसित भारत के लक्ष्य के साथ जोड़ा गया है।

आज के युवा विकसित भारत के सारथी होंगे। युवा इस देश के भविष्य को लेकर क्या सोचता है, वह क्या चाहता है, विकसित भारत के विचार प्रधानमंत्री ने युवाओं से ही लिए हैं। बजट में युवाओं के सुझावों को शामिल किया गया है।इस बजट को आर्थिक वृद्धि, जनता की आवश्यकता और सबका साथ सबका विकास की भावना के साथ तैयार किया है। वर्ष 2011-12 में बजट 16 लाख करोड़ था, अब 53 लाख करोड़ से अधिक का बजट है। इतना बजट बढ़ा, लेकिन एक भी रुपये का टैक्स नहीं बढ़ा। पहले वैट लगता था, हमने उसे खत्म किया। जीएसटी के आने से विसंगतियां कम होती गईं और बजट बढ़ता गया। टैक्स चोरी कंट्रोल की गई जिससे सरकार की आय बढ़ती गई। हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमने साढ़े 11 लाख करोड़ से अधिक का बजट रखा है। 28 किलोमीटर हाईवे हर दिन बन रहा है और लगभग 15 किलोमीटर रेलवे लाइन हर दिन देश में बिछाई जाती है। देश में 140 से अधिक एयरपोर्ट बने हैं। हमारी सरकार ने वंदे भारत ट्रेन चलाई और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें बनाईं। बेरोजगारी की दर जो पहले अधिक थी, अब 2024-25 के आंकड़ों के अनुसार काफी कम हुई है। विकसित देशों की तुलना में हमारे यहाँ स्थिति बेहतर है, जो अच्छे संकेत हैं। जब देश की अर्थव्यवस्था बढ़ती है तो विकास समावेशी होना चाहिए।

डेली कॉलेज की छात्रा से दरिंदगी की कोशिश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर के अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है जहां एक नामी कोचिंग संस्थान के शिक्षक पर छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने के गंभीर आरोप लगे हैं। डेली कॉलेज में अध्ययनरत दसवीं कक्षा की एक छात्रा की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अन्नपूर्णा पुलिस ने कैटेलाइजर कोचिंग संस्थान के शिक्षक आदेश जोशी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्यों को एकत्रित करने में जुट गई है।

छात्रा द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार यह घटना सोमवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे की है। छात्रा जब कोचिंग पहुंची तो कुछ आवश्यक दस्तावेजों के न होने के कारण वह पहली मंजिल पर स्थित क्लासरूम में अपना बैग रखकर नीचे वापस आ गई। इसी समय आरोपी शिक्षक आदेश जोशी ने छात्रा को इशारे से अपने पास बुलाने का प्रयास किया और उसे वहां बैठने को कहा। इसके पश्चात आरोपी पैसेज एरिया में चला गया और छात्रा को भी वहीं बुला लिया। छात्रा का आरोप है कि वहां आरोपी ने उसे आपत्तिजनक बातें कहते हुए किस करने की मांग की। इतना ही नहीं आरोपी शिक्षक जबरन छात्रा का हाथ पकड़कर उसे केबिन के भीतर ले गया और उसे अपनी ओर खींचने की कोशिश करने लगा। छात्रा ने आपबीती बताते हुए कहा कि वह किसी तरह आरोपी के चंगुल से बचकर निकली और ऊपर जाकर एक सीनियर टीचर को पूरी घटना की जानकारी दी।

इंदौर पुलिस के 19 जांबाजों का सम्मान, आयुक्त संतोष सिंह ने दिया प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में आम नागरिकों को बेहतर, संवेदनशील और प्रभावी पुलिसिंग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

इसी क्रम में मंगलवार को पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, अपराध नियंत्रण, बालिका सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और तकनीकी नवाचार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले कुल 19 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र व नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह 10 फरवरी 2026 को पलासिया स्थित पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान पुलिस आयुक्त सिंह ने सभी पुरस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास न केवल पुलिस बल का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास भी मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी को भविष्य में भी इसी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अप./मुख्य) श्री आर.के. सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने पुरस्कृत कर्मियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पर्यावरण जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

इंदौर। शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, किला भवन की प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में इको क्लब द्वारा पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर से प्लास्टिक बोतलें, परीक्षा में उपयोग की गई पॉलिथीन एवं कैरी बैग एकत्र किए गए। साथ ही महाविद्यालय के बाहर स्थित चाय की दुकान से मिट्टी के कुल्हड़ तथा कैंटीन से खाली दूध के पाउच संग्रहित किए गए, जिनका उपयोग रीसाइक्लिंग के लिए किया जाएगा। संग्रहित सामग्री का उपयोग इको क्लब की कार्यशाला में बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट गतिविधि के अंतर्गत किया जाएगा, जिससे रचनात्मक एवं कलात्मक वस्तुओं का निर्माण किया जाएगा।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, चार्टर्ड बस ने उजाड़ा हंसता-खेलता परिवार

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शिप्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत मांगलिया टोल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है जहां चार्टर्ड बस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की जान चली गई। पुलिस विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार एमआईजी क्षेत्र के निवासी संतोष कुशवाह अपनी पत्नी कपूरीबाई के साथ एक्टिवा स्कूटर पर सवार होकर देवास से इंदौर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही चार्टर्ड बस क्रमांक टढ13-ढ7-290 ने उन्हें ओवरटेक करने का प्रयास किया और टक्कर मार दी।

इस भीषण भिड़ंत के कारण दंपति सड़क पर गिर पड़े और बस का पहिया संतोष के सिर के ऊपर से गुजर गया जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। मृतक के भाई अंकित ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि पूरा परिवार एक शादी समारोह में सम्मिलित होकर वापस लौट रहा था। अंकित अपनी मोटरसाइकिल से संतोष की एक्टिवा के पीछे ही चल रहे थे। उन्होंने देखा कि तेज रफ्तार बस ने पहले उनकी बाइक को ओवरटेक किया और फिर आगे जाकर संतोष के वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बस और उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। वहीं गंभीर रूप से घायल कपूरीबाई को उपचार के लिए अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी स्थिति पर डॉक्टर नजर बनाए हुए हैं। मृतक संतोष निजी कार्य करते थे और अपने पीछे दो बच्चों का परिवार छोड़ गए हैं। सड़क दुर्घटना का एक अन्य मामला एबी रोड पर घटित हुआ जहां खरगोन जिले के ग्राम बकानेर से आए एक किसान की मौत हो गई। बाबूलाल कटारे नामक यह किसान अपनी छोटी बेटी के लिए विवाह का रिश्ता लेकर भैसलाय गांव आए थे। कार्य पूर्ण कर लौटते समय एक अज्ञात कार ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आईं।

बोर्ड की परीक्षाएं शुरू, अंग्रेजी का पेपर देने पहुंचे 12वीं विद्यार्थियों ने कहा- सरल रहा पेपर

भोपाल ■

मध्य प्रदेश बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षाओं की शुरूआत आज अंग्रेजी के पेपर से हुई। पहला ही पेपर छात्रों के लिए राहत लेकर आया। परीक्षा देकर बाहर निकले बच्चों ने बताया कि अंग्रेजी का पेपर बेहद सरल था और पूरा सिलेबस से ही पूछा गया था। छात्रों का कहना है कि जैसा उन्होंने पढ़ा था, वैसा ही पेपर आया, किसी भी तरह का चौंकाने वाला सवाल नहीं था। अधिकांश छात्रों ने 80 से 90 प्रतिशत अंक आने की उम्मीद जताई है। परीक्षा केंद्रों के बाहर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। कई छात्रों ने कहा कि आसान पेपर से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और आगे की परीक्षाओं को लेकर उत्साह भी है। अब छात्रों की नजर अगले पेपर पर है। एमपी बोर्ड 12वीं का अगला पेपर फिजिक्स का होगा, जिसकी तैयारी में छात्र जुट गए हैं।

नकल पर जीरो टॉलरेंस, हर जिले में उड़नदस्ते

बोर्ड परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए इस बार सख्त व्यवस्था की गई है। हर जिले में चार-चार फ्लाइंग स्क्वॉड तैनात हैं। कई परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। संवेदनशील केंद्रों की मॉनिटरिंग सीधे भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से हो रही है। सभी परीक्षाएं सुबह 9 से 12 बजे तक आयोजित की जा रही हैं।इस साल एमपी बोर्ड की परीक्षाओं में 10वीं और 12वीं के कुल 16 लाख से अधिक छात्र शामिल हो रहे हैं। इनमें लगभग 9 लाख छात्र 10वीं और 7 लाख छात्र 12वीं के हैं। इतने बड़े स्तर पर परीक्षा कराने के लिए शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है।

प्रश्न-पत्रों पर कड़ी सुरक्षा

प्रश्न-पत्रों को थानों से परीक्षा केंद्र तक ले जाने की पूरी प्रक्रिया में वीडियोग्राफी और सुरक्षा गार्ड लगाए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो सके। परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ पर भी रोक लगाई गई है।

समय का विशेष ध्यान, 8:30 के बाद प्रवेश बंद

शिक्षा विभाग ने साफ निर्देश दिए हैं कि सुबह 8:30 बजे के बाद किसी भी छात्र को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं मिलेगा। छात्रों को समय से पहले पहुंचने की सलाह दी गई है। इनविजिलेटरों और केंद्राध्यक्षों को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। राजधानी भोपाल में 12वीं के 26 हजार से अधिक और 10वीं के 30 हजार से ज्यादा छात्र परीक्षा दे रहे हैं। इसके लिए शहर में 104 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

मध्य प्रदेश बजट सत्र से पहले कांग्रेस की बनेगी रणनीति

सिंघार ने बुलाई विधायक दल की अहम बैठक

भोपाल ■

मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 16 फरवरी को भोपाल में कांग्रेस विधायक दल की अहम बैठक बुलाई है, जिसमें बजट सत्र के दौरान भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति और रूपरेखा तय की जाएगी।भोपाल स्थित 74 बंगला के बी-12 (ए) में शाम 7:30 बजे होने वाली इस बैठक में कांग्रेस विधायक प्रदेश से जुड़े जनहित के बड़े मुद्दों पर मंथन करेंगे। उमंग सिंघार ने साफ किया है कि कांग्रेस बजट सत्र में भाजपा सरकार की नाकामियों को पूरी मजबूती से विधानसभा में उठाएगी और हर सवाल पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

इन मुद्दों में घेरने की बनेगी रणनीति

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि बैठक में बेतहाशा कर्ज, इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतें, किसानों का समर्थन मूल्य, ओलावृष्टि से फसल नुकसान, युवाओं का रोजगार, आदिवासी-दलितों पर बढ़ते अत्याचार और प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। कांग्रेस इन मुद्दों को विधानसभा में हथियार बनाकर सरकार को कटघरे में खड़ा करेगी। इस सत्र का सबसे बड़ा केंद्र बिंदु वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट होगा। राजनीतिक सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार इस बार महिलाओं और युवाओं को साधने के लिए बजट में बड़ी घोषणाएं कर सकती है। खास तौर पर लाडली बहना योजना के लिए करीब 20 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किए जाने की संभावना जताई जा रही है, जो पिछले साल के 18,669 करोड़ रुपये से कहीं ज्यादा होगा। इसके अलावा लखपति दीदी योजना, महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं के स्वरोजगार से जुड़ी नई योजनाएं और घोषणाएं भी बजट का हिस्सा हो सकती हैं। ऐसे में बजट को लेकर सत्ता और विपक्ष, दोनों की नजरें टिकी हुई हैं।

पत्नी के ब्वॉयफ्रेंड ने पति को मारकर शव स्कूल में गाड़ा, 6 महीने बाद मिली खोपड़ी

सागर ■

अवैध संबंधों के चलते हत्या का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। प्रेमी सोहेब खान ने महिला के पति प्रिंस वाल्मीकि की हत्या कर शव को देवरी के सनसाइन स्कूल के ग्राउंड में दफना दिया था। शव के अवशेष मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। प्रिंस 20 अगस्त 2025 से लापता था। सोहेब ने प्रिंस की हत्या कर शव को स्कूल में छिपा दिया था, इसी दिन उसकी पत्नी तुलसी ने थाने पहुंचकर गुम इंसान की शिकायत दर्ज कराई और फिर वह पति के गुम होने के बाद भी गुजरात चली गई।

हत्या करने के बाद आरोपी सोहेब गुजरात के सूरत जाकर तुलसी के साथ रहने लगा था। करीब एक माह पहले दोनों में कोई विवाद हुआ, जिसके बाद वह वापस आ गया था। वापस आने के बाद नरसिंहपुर में ट्रैक्टर से उसका एक्सीडेंट हो गया था और अस्पताल में भर्ती था। जब उसे जानकारी लगी कि पुलिस उसे तलाश रही है तो वह अस्पताल से भाग गया था। पुलिस ने उसे बाद में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की पूछताछ में सोहेब ने बताया कि प्रिंस की पत्नी से उसके अवैध संबंध थे, इसी के चलते हत्या कर शव को गड्ढे में छिपाया था। उसने बताया कि 20 अगस्त को वह और प्रिंस दिन भर साथ थे। दोनों ने साथ में शराब पी और फिर बाइक से उसे स्कूल लाया। यहां उसके सिर पर पत्थर मारकर हत्या की थी। हत्या के बाद शव को दफनाया दिया। अगले दिन मिट्टी के ऊपर नमक डाला और कचरे से ढ़क दिया। इसके बाद कई दिनों तक घटनास्थल की निगरानी करता रहा। जब भरोसा हो गया कि अब किसी को पता नहीं चलेगा तो सोहेब गुजरात जाकर तुलसी के साथ रहने लगा था।

सोशल मीडिया पर की पोस्ट से संदेह बढ़ा

पत्नी और परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस लगातार प्रिंस की तलाश कर रही थी। पति के गुम होने के बाद पत्नी गुजरात चली गई थी। मृतक के माता-पिता ने संदेह जताया था कि उनकी बहू के अवैध संबंध हैं। हो सकता है कि उसी ने हत्या कराई हो। वहीं जिस आरोपी सोहेब पर संदेह था, वह भी गुजरात चला गया। कुछ समय बाद दोनों ने साथ में तस्वीरें अपलोड कीं, जिसके बाद मृतक के परिजनों के साथ पुलिस का संदेह भी पुख्ता हो गया और उन्होंने उसकी तलाश शुरू कर दी।

माँ शारदा की चौखट पर बाहुबली का शक्ति प्रदर्शन प्रतिबंध के बावजूद गर्भगृह तक पहुंचे हथियार

मैहर ■

मैहर स्थित विश्वप्रसिद्ध मां शारदा मंदिर एक बार फिर विवादों में आ गया है। उत्तर प्रदेश के बाहुबली विधायक राजा भैया द्वारा मंदिर के गर्भगृह में शस्त्र पूजा किए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आरोप है कि मंदिर परिसर में अस्त्र-शस्त्र ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बाद भी नियमों की अनदेखी कर पूजा-अर्चना कराई गई।

मंदिर प्रशासन के अनुसार श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गर्भगृह में किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र ले जाने पर सख्त प्रतिबंध है। इसके बावजूद वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि गर्भगृह में शस्त्र के साथ पूजा की जा रही है। इससे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि मंदिर के पुजारी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। हालांकि इस पूरे मामले पर मंदिर प्रशासन और जिला प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

प्रभाव के चलते नियमों में ढील का आरोप

स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का कहना है कि सामान्य भक्तों के लिए जहां कड़े नियम लागू किए जाते हैं, वहीं प्रभावशाली नेताओं के लिए अलग मापदंड अपनाए जा रहे हैं। आरोप है कि बाहुबली छवि के चलते राजा भैया को विशेष अनुमति दी गई, जो नियमों के खिलाफ है। मां शारदा मंदिर में प्रतिदिन हजारों और नवरात्र जैसे पर्वों पर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में गर्भगृह तक शस्त्र ले जाना सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील मामला माना जा रहा है। श्रद्धालुओं ने सवाल उठाया है कि अगर इसी तरह नियमों का उल्लंघन हुआ तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता।

सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोग मंदिर प्रशासन और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। कई यूजर्स ने इसे नियमों का खुला उल्लंघन बताते हुए जांच की मांग की है। मामले पर मंदिर प्रशासक दिव्या सिंह पटेल एसडीएम मैहर को संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन वे कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। फिलहाल वीडियो वायरल होने के बाद अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रतिक्रियाओं का दौर जारी है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री बोले- 20 साल दर्द झेला कांग्रेस से ऑफर मिला था

सागर ■

भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री और मध्य प्रदेश के सागर जिले की रहली सीट से विधायक गोपाल भार्गव का दर्द एक बार फिर सार्वजनिक मंच से छलका है। रहली विधानसभा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने अपने राजनीतिक सफर, पार्टी के प्रति निष्ठा और वर्तमान परिस्थितियों को लेकर खुलकर बात की।

भार्गव ने कहा कि, 'राजनीति में उपेक्षा किसी भी व्यक्ति को भीतर से तोड़ देती है। अगर किसी व्यक्ति की बात सरकार नहीं सुनती तो उसका मन टूट जाता है।' इसी भावनात्मक संदर्भ में उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक संघर्ष का जिक्र करते हुए

कहा कि, उन्होंने 20 साल तक लगातार कठिन परिस्थितियों को सहा है, जबकि आज के दौर में लोग 20 महीने भी नहीं टिक पाते। गोपाल भार्गव ने मंच से ये भी खुलासा किया कि, पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने उन्हें एक बार कांग्रेस में शामिल होने का प्रस्ताव भी दिया था। इसपर उन्होंने दिग्विजय से साफ कह दिया था कि, 'वो माल टिकाऊ है, बिकाऊ नहीं।'

पोर्टल बंद था फिर कैसे हुई तुलाई?

मंडला। मंडला जिले के घुघरी थाना क्षेत्र अंतर्गत दानीटोला धान खरीदी केंद्र में एक बड़े भ्रष्टाचार का भंडाफोड़ हुआ है। जांच में करीब 77.63 लाख रुपये मूल्य की धान गायब पाई गई है, जिसके बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए समिति के प्रशासक और प्रबंधक सहित 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। आदिम जाति सेवा सहकारी समिति दानीटोला द्वारा राजलक्ष्मी वेयरहाउस में दो उपार्जन केंद्र संचालित किए जा रहे थे। शिकायत मिली थी कि धान खरीदी का आधिकारिक पोर्टल बंद होने के बावजूद इन केंद्रों पर अवैध रूप से तुलाई जारी थी।

मैनिट भोपाल में पढ़ाई का सिस्टम बदला, अब विदेश में पढ़ाई और स्टार्टअप भी बनेंगे डिग्री का हिस्सा

भोपाल ■

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भोपाल में तकनीकी शिक्षा का चेहरा बदलने जा रहा है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी-2020 के तहत मैनिट ने ऐसे बड़े शैक्षणिक सुधार लागू किए हैं, जिनसे छात्रों को अब विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ने, इंडस्ट्री से सीधे सीखने और स्टार्टअप शुरू करने पर भी अकादमिक क्रेडिट मिल सकेगा। अब मैनिट के छात्र दो सेमेस्टर तक देश और विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई कर सकेंगे। वहां अर्जित किए गए क्रेडिट्स को मैनिट की डिग्री में जोड़ा जाएगा। इससे छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की पढ़ाई, नई तकनीकों और अलग शैक्षणिक माहौल का

अनुभव मिलेगा। मैनिट ने परंपरागत रटने वाली शिक्षा से हटकर पाठ्यक्रम को व्यावहारिक और रोजगारोन्मुख बनाने का फैसला किया है। सिलेबस का एक हिस्सा अब इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स पढ़ाएंगे, ताकि छात्रों को नौकरी और उद्योग की वास्तविक जरूरतों की समझ मिल सके। जो छात्र पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं, उनके लिए रेमेडियल क्लासेस शुरू की जाएंगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर छात्र को सीखने का समान मौका मिले और कोई भी पढ़ाई से बाहर न हो। मैनिट अब छात्रों को सिर्फ नौकरी ढूंढने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला उद्यमी बनाने की दिशा में भी काम कर रहा है। यदि कोई छात्र स्टार्टअप शुरू कर तय टेक्नोलॉजी रेडिनेस लेवल हासिल करता है, तो उसे उसी के अनुसार अकादमिक क्रेडिट दिए जाएंगे। मैनिट के ये फैसले तकनीकी शिक्षा को लचीला, आधुनिक और देश की जरूरतों के अनुरूप बनाने की दिशा में बड़ा कदम माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में यह मॉडल देश के अन्य तकनीकी संस्थानों के लिए भी उदाहरण बन सकता है।

एमपी में लेडी सीएचओ ने ऑफिस में एक साथ खाईं बीपी की 20 गोलियां, इलाज जारी

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के कोलारस में लेडी सीएचओ ने अपने दफ्तर में खुदकुशी करने की कोशिश की। तबीयत बिगड़ने पर लेडी सीएचओ को अस्पताल ले जाया गया जहां से शिवपुरी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, वहां उनका इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद लेडी सीएचओ के पति ने बीएमओ और अकाउंटेंट प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। आरोप है कि बीएमओ और अकाउंटेंट मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। देर रात 11 बजे तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग करते थे और वेतन काटने की धमकी भी दे रहे थे। कोलारस के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आटामानपुर में पदस्थ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) डॉ. शीतल सिसोदिया ने मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे अपने दफ्तर में खुदकुशी करने की कोशिश की। खुदकुशी करने के इरादे से डॉ. शीतल ने एक साथ बीपी की 20 गोलियां खा लीं।

त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी केन्द्रीय बजट

केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए संसद में पेश किया गया गया बजट देश के त्वरित विकास को समर्पित कल्याणकारी बजट है। इस बजट में समाहित प्रस्तावों में आर्थिक विकास की गति को बढ़ाने और उसे निरन्तर बनाये रखने पर जोर दिया गया है। साथ ही, लोककल्याण के लिए बजट प्रस्तावों पर भी पर्याप्त बल दिया गया है। वित्तमंत्री ने अपने बजट भाषण में तीन कर्तव्यों को उजागर किया।

डॉ. महेन्द्र सिंह
लेखक
दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

ये हैं : 1) अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों के प्रति लचीलेपन में वृद्धि करते हुए आर्थिक विकास को गति प्रदान करना और उसे बनाये रखना; (2) जन आकाँक्षाओं की पूर्ति और उनकी क्षमताओं का वर्द्धन करना एवं (3) देश के प्रत्येक परिवार, समुदाय, क्षेत्र और वर्ग तक संसाधनों, सुविधाओं तथा अवसरों की पहुंच को सुनिश्चित करना। इस तरह ये कर्तव्य मोदी सरकार की सर्वसमावेशी एवं पोषणीय विकास की रणनीति को सुस्पष्ट रूप में परिभाषित करते हैं। ध्यातव्य है कि मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के केन्द्र में एक ओर आर्थिक संवृद्धि की गति को तेज करना रहा है वहीं दूसरी तरफ सापेक्षतया वंचित लोगों एवं क्षेत्रों को उन?की क्षमता व सामर्थ्य को बढ़ाते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा में शामिल करना रहा है। इस दृष्टि से यह कहना समीचीन है कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास का ध्येय वाक्य लोकनीतियों के प्रतिपादन एवं कार्यान्वयन का नाभिकेन्द्र रहा है। इसमें आर्थिक समृद्धि एवं लोककल्याण में वृद्धि स्वतः विहित रहे हैं। मोदी सरकार द्वारा संरचनात्मक आर्थिक सुधारों का मूल विचार रिफार्म, परफार्म व ट्रॉन्सफार्म रहा है। इस बजट में भी, बजट प्रावधानों को अधिक परिणामोन्मुखी बनाने के लिए सुधारों के क्रम को जारी रखा गया है। विकसित भारत के महालक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस बजट में कृषि व ग्रामीण अर्थव्यवस्था, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र, एमएसएमई, ओडीओपी, रिन्यूबल व न्यूक्लियर एनर्जी, सेमिकंडक्टर, आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स, जलमार्ग व रेल विकास, डिकार्बनाइजेशन, निर्यात संवर्द्धन, रक्षा क्षेत्र इत्यादि संभावनापूर्ण क्षेत्रों एवं तत्सम्बन्धी क्रियाओं के संवर्द्धन व विकास के लिए वित्तमंत्री द्वारा प्राथमिकता के आधार पर अपेक्षित आवंटन किए गये हैं। साथ ही, मानव पूँजी के निर्माण से सम्बन्धित क्षेत्रों यथा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला, युवा और दिव्यांग सशक्तिकरण पर पर्याप्त बल दिया गया है। वस्तुतः, मानव पूँजी के बेहतर विकास से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा जनकल्याण में वृद्धि होगी। वित्तमंत्री ने इस बजट में राजकोषीय सुदृढ़ीकरण को जारी रखते हुए इस पर विशेष बल दिया है। हाल के वर्षों में जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा में निरन्तर गिरावट से इस बात की पुष्टि होती है कि मोदी सरकार का राजकोषीय प्रबन्धन सम्बन्धी निष्पादन श्लाधनीय रहा है। वर्ष 2021-22 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 6.7 प्रतिशत; 2022-24 में 6.5 प्रतिशत 2023-24 में 5.5 प्रतिशत; 2024-25 में 4.8 प्रतिशत एवं 2025-26 में 4.4 प्रतिशत था। इसे 2026-27 के बजट में कम करके 4.3 प्रतिशत पर रख गया है। ये प्रवृत्तियाँ राजकोषीय व्यवस्था की मजबूती की परिचायक हैं। मोदी सरकार की राजकोषीय प्रवीणता एवं बेहतर वित्तीय प्रबंधन का ही परिणाम है कि जीडीपी के सापेक्ष राजकोषीय घाटा निरन्तर घटा है। साथ ही, वित्तमंत्री इस बात में भी सफल रही हैं कि उन्होंने इस बजट में जीडीपी

के सापेक्ष केन्द्र सरकार के ऋण को 55.6 प्रतिशत पर रखा है। यह वर्ष 2025-26 के लिए 56.1 प्रतिशत रखा गया था। साथ ही, इस बजट में जीडीपी के सापेक्ष राजस्व घाटा एवं प्राथमिक घाटा में भी कमी आई है। घटते घाटे एवं ऋण से निजी पूँजी निवेश में वृद्धि होगी। इस बजट में, राजस्व में सतत वृद्धि; पूँजीगत व्यय में वृद्धि और राजकोषीय पारदर्शिता में सुधार के संकेतकों से भी देश की राजकोषीय सुदृढ़ता की पुष्टि होती है। पूँजीगत खर्च के जरिये अवस्थापना क्षेत्र के विकास ने विकास को तेज करने और रोजगार को बढ़ाने में उल्लेखनीय तौर पर योगदान दिया है। इंफ्रास्ट्रक्चर आर्थिक विकास में धमनियों का कार्य करता है। इसलिए यह कहने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि इन्फ्रास्ट्रक्चर पर मोदी सरकार द्वारा किया गया निवेश लगातार विकास का इंजन बना हुआ है। एक ओर जहाँ केन्द्र सरकार स्वयं पूंजीगत व्यय को बढ़ा रही है; वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों को भी अनुदान व ऋण देकर उनके पूँजीगत खर्च को बढ़ाने में मदद कर रही है। वर्ष 2025-26 की तुलना में 2026-27 के बजट में पूँजीगत आवंटन में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि राज्यों को दी जाने वाली अनुदान राशि को भी जोड़ लिया जाय तब प्रभावी पूँजीगत व्यय की वृद्धि 22 प्रतिशत बैठती है। इस तरह मोदी सरकार की यह विचारणा सुस्पष्ट होती है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती आर्थिक उन्नति का मूलाधार है। इस बजट में कुछ विशिष्ट क्षेत्रों क्षेत्रों में पूँजीगत व्यय की वृद्धि दरें इस तरह हैं: टेलीकॉम 97 प्रतिशत; रक्षा 18 प्रतिशत; रेलवे 10 प्रतिशत; सड़क व हाईवे 8 प्रतिशत एवं आवास व नगरीय विकास 6 प्रतिशत। यह तथ्य यह भी दशार्ते हैं कि बेहतर राजकोषीय प्रबन्धन से अब विकासगामी क्रियाओं के लिए अधिक वित्तीय संसाधन उपलब्ध हो रहे हैं। जीडीपी के सापेक्ष सरकारी ऋण भार को घटाकर 2030-31 तक 50 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। स्पष्ट है कि इससे आगामी वर्षों में अवस्थापना के विकास के लिए और अधिक फिस्कल स्पेस मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि पूँजीगत व्यय में मोदी सरकार द्वारा की गई वृद्धि से आय में तो कई गुना वृद्धि होती ही है, इससे रोजगार में भी उल्लेखनीय तौर पर वृद्धि होती है। इस बजट में छोटे, मझोले एवं धार्मिक नगरों के विकास के लिए भी प्रावधान किए गये हैं। नगरीय क्षेत्रों में जन सुविधाओं के बेहतर विकास से जनजीवन सुगम व स्वस्थ होगा। साथ ही, इसके विकास से कारोबार सुगम होगा, इसमें वृद्धि होगी। धार्मिक व साँस्कृतिक स्थलों के उन्नयन से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा देश-विदेश से पर्यटकों की आवाजाही से आर्थिकी सशक्त होगी। इस बजट में हास्पिटेलिटी तथा हेल्थ टूरिज्म से भी लोगों की आजीविका के स्त्रोतों में वृद्धि, रेल एवं जलमार्गों के विकास एवं अपग्रेडेशन से लाजिस्टिक्स की लागतें घटेंगी। इससे व्यापार में वृद्धि तो होगी ही, साथ ही आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी और अर्थव्यवस्था की स्पर्धात्मकता में वृद्धि से निर्यात-प्रेरित निवेश होगा। इस बात का उल्लेख करना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इस बजट में अवस्थापना क्षेत्र के विकास के लिए 12.20 लाख करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। यह एक बड़ी धन?राशि है। इससे विकास की गति को तेज करने तथा रोजगार को बढ़ाने में महती सहायता मिलेगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के अन्तर्गत इस बजट में 40 हजार करोड़ रुपये रखे गये हैं। इसके अतिरिक्त जिन 7 रोजगारपरक क्षेत्रों को समावेशित किया गया है वे हैं: बायो फार्मा, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स कंपोनेन्टस, रेयर अर्थ, रसायन, पूँजीगत वस्तएँ और टेक्सटाइल्स। इनसे मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की संवृद्धि बढ़ेगी। वस्तुतः, ये अर्थव्यवस्था के उदीयमान क्षेत्र हैं और इनमें उत्पादन, रोज?गार व निर्यात की प्रचुर संभावनाएं हैं। इसके अलावा बजट में लघु एवं मध्यम उद्योगों को चैंपियन बनाने के निर्णय से भी इस क्षेत्र का विकास तेज होगा। आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एमएसएमई, ओडीओपी तथा खादी क्षेत्र की भूमिका महती स्थान रखती है। रक्षा व्यय में वृद्धि; विशेष तौर पर पूँजीगत व्यय में वृद्धि से भी रक्षा मामले में हमारी आत्म-निर्भरता बढ़ेगी और रक्षा सामग्री का निर्यात बढ़ेगा। कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए इस बजट में जो प्रावधान किये गये हैं उनसे कृषि एवं गैर-कृषि क्रियाओं के पारस्परिक आर्थिक सम्बन्धों को ताकत मिलेगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से कृषि उत्पादकता बढ़ेगी। कृषि के वाणिज्यीकरण को बढ़ावा मिलेगा। किसानों की आय में वृद्धि होगी। किसानों, युवाओं एवं महिलाओं को उद्यमी बनाने का परिणाम होगा कि स्थानीय स्तर पर आजीविका के स्त्रोतों का विस्तार होगा। इससे गाँवों से नगरों को होने वाला पलायन भी रुकेगा। पशु चिकित्सा के लिए बजट में की गयी व्यवस्था से पशुधन में संवर्द्धन होगा। इससे गो आधारित प्राकृतिक कृषि के विस्तार में भी सहायता मिलेगी। इस बजट को यदि समग्र रूप से देखें तो यही निष्कर्ष निकलता है कि यह बजट भारत की घरेलू क्षमता का समुचित उपयोग करते हुए त्वरित आर्थिक विकास एवं लोककल्याण में वृद्धि को समर्पित है।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

मप्र में तलाकशुदा बेटियों को मिलेगी पेंशन, मोहन कैबिनेट की बैठक संपन्न, कई अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

भोपाल ■

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार की कैबिनेट बैठक संपन्न हो चुकी है। इस बैठक में कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई है। एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बैठक में हुए फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश के विकास और आर्थिक सुधारों को देखते हुए कई फैसलों पर मुहर लगाई है।

किसानों को 2585 रुपये एमएसपी

मंत्री चैतन्य कश्यप ने कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि बालाघाट को हमारी सरकार ने नक्सल मुक्त कराया है। अगली कृषि कैबिनेट की बैठक बालाघाट में आयोजित की जाएगी। धान का समर्थन मूल्य प्रदेश में 51 लाख मेट्रिक टन से अधिक धान की उपार्जन हुई है। इसके लिए 1436 केंद्र स्थापित किए गए हैं। गेंहू का समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है। जिसके रजिस्ट्रेशन सात फरवरी से शुरू हो गया है।

प्रदेश में चीतों की संख्या 24 हुई

मंत्री चैतन्य कश्यप ने बताया कि इस बार चीतों का परिवार करीब करीब हमारे बीच में दो श्रावकों का जन्म हुआ और उसी के साथ में कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पांच शावकों का जन्म हुआ और अब मध्य प्रदेश में कुल चीते 24 हो गए हैं। चीतों की संख्या बढ़ना उसी के साथ में वन्य जीव के साथ में पर्यटन की वृद्धि हो क्योंकि मध्य प्रदेश में सबसे अधिक वन क्षेत्र है और वन क्षेत्रों में पर्यटन की बहुत संभावना है और जिससे रोजगार की भी संभावना है तो उसके अंदर भी हमारी वृद्धि हो रही है। इंदौर के जू को एक सफेद टाइगर मिला है और इसके अलावा रीवा में भी हम लोग उसके लिए प्रयासरत हैं। इसके अलावा एक रेस्क्यू सेंटर भी बनाया जाए जहां पर जो घायल पशु हो जाते हैं उन पशुओं को लाकर के उनका इलाज भी हो।

19 मार्च से शुरू होगा विक्रमोत्सव

इसी के साथ गुड़ी पड़वा के दिन यानी 19 मार्च से विक्रमोत्सव भी प्रारंभ हो रहा है। गुड़ी पड़वा का त्यौहार बड़े अच्छे तरीके से मनाया क्योंकि संस्कृति के मामले में मुख्यमंत्री जी का हमेशा से एक आग्रह भी रहता है और उन्होंने हमारी संस्कृति और इसकी विरासत के से विकास की जो एक दिशा दी है तो उसी में गुड़ी पवा के पर्व को भी हर जगह के ऊपर बड़े अच्छे उत्साह के साथ में मनाने का निर्णय लिया है तथा जो कैबिनेट के निर्णय हुए हैं उनमें सबसे पेंशन योजना का राज्य के कर्मचारियों के 2005 से जो नई पेंशन योजना लागू हुई थी उस योजना के बाद में विभिन्न सर्कुलर व अलग-अलग परिपत्रों के माध्यम से अभी पेंशन का निर्धारण होता था। तो हमारे कर्मचारियों को कई चीजों में स्पष्टता नहीं रहती थी। अभी इस बार पूरा का पूरा एक नियम 2026 बना दिया गया है जिसमें न्यू पेंशन स्कीम पूरी लागू की गई है और इसमें महत्वपूर्ण बिंदु है पारिवारिक पेंशन जो केंद्र सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन का प्रावधान जरूर था परंतु वह बहुत कम लोगों को मिल पाती है।

आईएमआर शिशु मृत्यु दर घटी

स्वास्थ्य का क्षेत्र जिसमें प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। इस वर्ष नेशनल हेल्थ के सर्वे के आंकड़े उनमें जो प्रदेश में मात्र मृत्यु दर एमएमआर 173 से घटकर 142 हुई है। यह एक बहुत बड़ा आंकड़ा है। 173 से 10,000 के ऊपर 173 मृत्यु होती है। वो 142 हुई है। और आईएमआर शिशु मृत्यु दर वह 41 से घटकर 37 हुई है। यह जो दो सूचकांक है यह विकास के सूचकांक के सबसे महत्वपूर्ण पहलू रहते हैं। इनके माध्यम से ही प्रदेश की या देश की अह जो अह क्रेडिट रेटिंग या जो रेटिंग की जाती है।

राज्य में प्रावधान हुआ

मध्य प्रदेश सरकार ने इसमें विशेष रूप से एक जो प्रावधान किया है वह प्रावधान है तलाकशुदा पुत्री। अभी तक पुत्रों को ही इसमें पेंशन प्राप्त होती थी। परंतु तलाकशुदा पुत्री का भी प्रावधान इसमें किया गया है। क्योंकि आप और हम सब जानते हैं के जो लड़कियां माता-पिता पर आश्रित रहती है और जब तलाक हो जाए तो उनका जीवन यापन बड़ा मुश्किल होता है। तो प्रदेश में उसको भी पेंशन की पात्रता रहेगी। बाकी सारे नियम जो उनके शैक्षिक सेवा निवत्ति और जो केंद्र सरकार ने जो जो प्रावधान दिए थे उन सारे प्रावधानों को उन नियमों में समाहित करके एक नियम 2026 का इसमें अनुमोदन किया गया है।

8521 घरों में बिजली की व्यवस्था होगी

ऑफ ग्रिड का करके 97 करोड़ में 8521 घरों के अंदर बिजली की व्यवस्था की जाएगी। इससे हम शत प्रतिशत लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने में कामयाब होंगे। इसी के साथ में उच्च न्यायालय में कंप्यूटर ऑपरेटर और इनके अंदर जो कई हमारे समर्थ थे उनमें पांच साल की वृद्धि की गई है। पहले 40 साल था 45 साल किया गया है। क्योंकि जो ट्रेन कंप्यूटर ऑपरेटर व आईटी के बच्चे हैं उनको पांच साल की जो सेवा वृद्धि करने से उनके अनुभव को देखते हुए हाई कोर्ट में इसका लाभ मिलेगा।

एमबीबीएस छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत बाथरूम में मिला शव और एसिड की बोतल

भोपाल ■

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की छात्रा की मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। छात्रा का शव कोहेफिजा क्षेत्र स्थित एक निजी छात्रावास में रह रही थी। उसकी लाश छात्रावास के बाथरूम में मिला। घटनास्थल के पास एसिड की खाली बोतल मिलने से आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोहेफिजा थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शुक्ला ने बताया कि अलीराजपुर निवासी 19 वर्षीय रोशनी ने अक्तूबर माह में गांधी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में

प्रवेश लिया था। वह कोहेफिजा इलाके में एक घर में पेइंग गेस्ट के रूप में रह रही थी। बताया जा रहा है कि पढ़ाई ठीक से समझ में न आने के कारण वह लगातार तनाव में थी और सहपाठियों से भी अपनी परेशानी साझा करती रहती थी। मंगलवार सुबह जब रोशनी तय समय पर कॉलेज जाने के लिए कमरे से बाहर नहीं निकली, तो साथ रहने वाली छात्राओं को चिंता हुई। कई बार आवाज देने और फोन करने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद पीजी के गार्ड को सूचना दी गई। दरवाजा तोड़कर जब बाथरूम खोला गया, तो रोशनी वहां बेसुध पड़ी मिली। पास ही एक खाली एसिड की बोतल भी मिली। घटना की जानकारी तत्काल कॉलेज प्रबंधन को दी गई। रोशनी को सुबह करीब 8:30 बजे हमीदिया अस्पताल के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रोशनी एक सप्ताह पहले ही घर से लौटकर आई थी। वह शांत और गंभीर स्वभाव की थी। पुलिस को छात्रा के मोबाइल फोन से परिजनों को भेजे गए कुछ संदेश मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि वह पढ़ाई को लेकर मानसिक दबाव में थी और मेहनत के बावजूद विषय समझ नहीं पा रही थी।

मरने से पहले चाचा ने भतीजों को दिया ये संदेश, फिर दी जान

उज्जैन। उज्जैन के माधवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत महानंदा नगर में रहने वाले 72 वर्षीय वृद्ध ने सोमवार रात अपने घर में जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक अविवाहित थे और उनके दो भतीजे समीप ही रहते हैं। आत्महत्या से पहले उन्होंने अपने भतीजों को मोबाइल पर संदेश भेजकर संपत्ति को आपस में बांट लेने की बात लिखी थी। माधवनगर थाना पुलिस के अनुसार महानंदा नगर निवासी राजेन्द्र पिता विपिन सूद (72) फ्रीगंज क्षेत्र में हार्डवेयर की दुकान संचालित करते थे और अविवाहित थे। सोमवार शाम वे दुकान बंद कर अपने घर पहुंचे थे। इसके बाद उन्होंने पास ही रहने वाले अपने भतीजों को मोबाइल पर संदेश भेजा कि वह मर रहे हैं और उनके बाद घर में रखी सोने-चांदी की रकम आपस में बांट ली जाए। मैसेज भेजने के बाद राजेन्द्र सूद ने जहर खा लिया।

मप्र की बिजली वितरण कंपनियां 71 हजार करोड़ के घाटे में

भोपाल ■

मध्य प्रदेश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। केंद्र सरकार की ताजा रिपोर्ट के अनुसार राज्य की तीनों बिजली वितरण कंपनियों पर मार्च 2025 तक 49 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज हैं।

वहीं, तीनों को कुल 71,395 करोड़ रुपये का घाटा हो चुका है। इस भारी नुकसान के साथ मध्य प्रदेश देश में बिजली वितरण के मामले में चौथे सबसे अधिक घाटे वाले राज्यों में शामिल हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो प्रदेश की बिजली वितरण व्यवस्था पर और अधिक वित्तीय दबाव बढ़ सकता है, जिसका असर आम उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है। यह जानकारी बिजली राज्य मंत्री

श्रीपाद नाइक ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। राज्य की सबसे बड़ी बिजली वितरण कंपनी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड पर अकेले 30,900 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज है। यह नुकसान कई छोटे राज्यों के कुल घाटे से भी अधिक बताया जा रहा है। वहीं, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी पर लगभग 27,992 करोड़ रुपये का घाटा है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को करीब 12,503 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। तीनों कंपनियों का संयुक्त घाटा प्रदेश की बिजली व्यवस्था की कमजोर आर्थिक स्थिति को दशार्ता है।

भाजपा नेता ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली

खंडवा ■

मध्यप्रदेश के खंडवा में एक भाजपा नेता ने जहर खाकर खुदकुशी कर ली है। बीजेपी नेता को जहर खाने के बाद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृत्यु से पूर्व पुलिस को दिए बयान में बीजेपी नेता ने कांग्रेस नेता व पूर्व पार्षद पर सूदखोरी व प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खंडवा शहर के लवकुश नगर सेक्टर-3 में पहले वाले बीजेपी नेता और ठेकेदार जितेन्द्र चौधरी उर्फ जीतू ने मंगलवार सुबह बड़गांव भीला रोड स्थित कांग्रेस नेता गणेश सकरगाये के घर पहुंचकर जहरीला पदार्थ खा

लिया था। तबीयत बिगड़ने पर जितेन्द्र को कांग्रेस नेता गणेश सकरगाये व अन्य लोग अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जहां इलाज के दौरान दोपहर करीब सवा दो बजे जितेन्द्र की मौत हो गई। जितेन्द्र ने मौत से पूर्व पुलिस को दिए बयान में कांग्रेस नेता गणेश सकरगाये पर सूदखोरी के गंभीर आरोप लगाए हैं। जितेन्द्र ने मृत्यु से पूर्व दिए गए बयान में बताया- कांग्रेस नेता गणेश सकरगाये से 50 लाख रुपए का लेन-देन है। वहीं, करीब एक करोड़ रुपए की मार्केट की उधारी है। गणेश 5% ब्याज लेता है। वह मकान बिकवाने की धमकी देता है। मेरी बेटी का रिश्ता तक तुड़वा दिया है। वहीं जितेन्द्र की बहन ने जितेन्द्र की पत्नी पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं।

एमपी के किसानों को सरकार की बड़ी सौगात गेहूं के समर्थन मूल्य में की बढ़ोत्तरी

भोपाल ■

मध्यप्रदेश में किसानों को सरकार ने एक और सौगात दी है। राज्य केबिनेट ने गेहूं का समर्थन मूल्य घोषित कर दिया है। पिछले साल की तुलना में इसमें बढ़ोत्तरी की गई है। मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में इसकी घोषणा की गई।

प्रदेश के एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने केबिनेट बैठक में हुए फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2585 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। 2025 में गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल था। इससे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि परिषद को बताया कि प्रदेश में गेहूं के उपार्जन के लिए पंजीयन 7

फरवरी से शुरू किया जा चुका है जोकि 7 मार्च तक चलेगा। मंत्रि परिषद की बैठक में 2026-27 के आम बजट पर भी चर्चा हुई। राज्य सरकार के तीसरे अनुपूरक बजट पर भी विमर्श हुआ। वित्त विभाग ने कैबिनेट सदस्यों के सामने प्रजेंटेशन दिया। एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि इस साल 2585 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जाएगा। उन्होंने बताया कि कैबिनेट की अगली बैठक बालाघाट में होगी जोकि कृषि को समर्पित रहेगी। एमपी में वर्ष 2025 में गेहूं का समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल था। राज्य सरकार ने इसमें 175 रुपए का बोनस मिलाकर कुल 2600 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से गेहूं खरीदा था। इस बार यानि 2026 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है। प्रदेश में गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए रजिस्ट्रेशन 7 फरवरी से शुरू हो चुके हैं। मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया गेहूं के उपार्जन के लिए प्रदेशभर में इस बार 3186 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। गेहूं का समर्थन मूल्य गत वर्ष की तुलना में 160 रुपए अधिक रखा गया है। इस प्रकार गेहूं के समर्थन मूल्य में सरकार ने बढ़ोत्तरी की है।

अस्पतालों में 23 और 24 को हड़ताल पर जाएंगे आउटसोर्स कर्मचारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के शासकीय अस्पतालों में कार्यरत आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मांगे नहीं माने जाने पर आगामी 23 और 24 फरवरी को सामूहिक अवकाश पर जाने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही कर्मचारियों ने चरणबद्ध आंदोलन तेज करने का ऐलान भी किया है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा को प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के नाम ज्ञापन सौंपा। मध्य प्रदेश संविदा आउटसोर्स स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के आह्वान पर 16, 17 और 18 फरवरी को कर्मचारी कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर विरोध करेंगे।

शिवपुरी में हनी ट्रैप गैंग का भंडाफोड़, महिला ने फोन पर प्यार के जाल में फंसाया, फिर ठग लिए लाखों रुपये

शिवपुरी ■

शिवपुरी जिले में देहात थाना पुलिस ने व्यापारी को हनी ट्रैप में फंसाकर मारपीट और ऑनलाइन ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पदार्फाश किया है। बदरवास निवासी आदित्य जैन को एक युवती ने दोस्ती के जाल में फंसाकर बड़ौदी बुलाया, जहां उसके साथ मारपीट की गई, वीडियो बनाया गया और झूठे केस में फंसाने व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर फोन-पे के माध्यम से 1 लाख 5 हजार 640 रुपये की ठगी की गई।

फरियादी की शिकायत पर देहात थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 40/26, धारा 308(5)

बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान साइबर सेल की सहायता से संदिग्ध मोबाइल नंबरों की जानकारी जुटाई गई। जांच में सामने आया कि संबंधित मोबाइल नंबर आकाश ओझा के नाम पर पंजीकृत था। पूछताछ में आकाश ने बताया कि उक्त नंबर उसका भाई राजा ओझा और उसकी पत्नी कल्पना रजक उर्फ अंजली द्वारा उपयोग किया जा रहा था। पुलिस ने राजा ओझा और कल्पना रजक को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने अपना अपराध स्वीकार किया। पूछताछ के दौरान कल्पना ने बताया कि ग्राम एनवारा निवासी चंद्रपाल धाकड़ ने उसके पति को आदित्य जैन का मोबाइल नंबर दिया था और उसे हनी ट्रैप में फंसाने की योजना बनाई गई थी। पूरी घटना पूर्व नियोजित थी, जिसमें फोन कॉल करना, मिलने के लिए बुलाना, मारपीट करना और फिर ब्लैकमेल कर रकम वसूलना शामिल था। पुलिस के अनुसार यह एक संगठित गिरोह था, जिसका सरगना चंद्रपाल धाकड़ है। आशंका जताई जा रही है कि गिरोह ने इससे पहले भी कई लोगों को इसी तरह निशाना बनाया होगा, लेकिन बदनामी के डर से पीड़ित सामने नहीं आए। पुलिस आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और फरार आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।

पं. दीनदयाल उपाध्याय: एकात्म मानवदर्शन के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक: डॉ. मोहन यादव

व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र निर्माण का मार्ग दिखाने वाले, विलक्षण व्यक्तित्व के धनी, एकात्म मानव दर्शन और अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चरणों में कोटिशः नमन।

मोहन यादव
(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)
ग्लोबल हेराल्ड

पं. दीनदयाल जी का जीवन भारत राष्ट्र को दिशा देने वाला प्रकाश स्तंभ है। वे एक ऐसे ऋषि राजनेता थे जो समाज, संस्कृति और राष्ट्र के समग्र उत्थान के लिए समर्पित रहे। उन्होंने राजनीति को राष्ट्रधर्म की साधना का माध्यम माना। उनका स्पष्ट मत था कि स्वतंत्र भारत की यात्रा भारतीय दर्शन, संस्कृति और परंपरा के अनुरूप होनी चाहिए। पं. दीनदयाल जी ने राजनीतिक चिंतन को भारतीय मूल्यों से जोड़ते हुए एकात्म मानव दर्शन का सूत्र दिया। इसमें व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और सृष्टि के बीच समन्वय और संतुलन समाहित है। यह जीवन और संपूर्ण सृष्टि को एक सूत्र में पिरोता है। यही दर्शन व्यष्टि से समष्टि की रचना करता है। इसमें श्रीकृष्ण के वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से लेकर आज के वैश्विक परिदृश्य का समावेश है। पं. दीनदयाल जी भारत के भविष्य की कल्पना चतुपुर्रुषार्थ-धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के आधार पर की। उनका विश्वास था कि इन चारों का संतुलन ही व्यक्ति और समाज को पूर्णता की ओर ले जा सकता है। यदि व्यक्ति और समाज को विकास के समान अवसर दिए जाएँ, तो स्वावलंबी और समर्थ समाज का निर्माण संभव है। पं. दीनदयाल जी का मानना था कि राजनीति का अंतिम लक्ष्य सशक्त, समरस और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है। उनका विकास मॉडल केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं था, बल्कि उसमें सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक संतुलन का समावेश था। वे चाहते थे कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, तभी वह सच्चा विकास कहलाएगा। यही अंत्योदय का भाव है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत जिस विकास पथ पर अग्रसर है, उसके मूल में पं. दीनदयाल जी का चिंतन है। विरासत से विकास, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल और सबका साथ - सबका विकास, यह सभी एकात्म मानव दर्शन के आधुनिक रूप हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी का संकल्प है कि वर्ष 2047, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित किया जाए। यह संकल्प पं. दीनदयाल जी के स्वप्निल भारत की ही साकार अभिव्यक्ति है। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत निर्माण की परिकल्पना को मूर्तरूप देने की दिशा में प्रदेश के प्रत्येक अंचल को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के हर क्षेत्र की क्षमता, मेधा और दक्षता को अवसर प्रदान करने के लिए जहां रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का नवाचार किया गया, वहीं भोपाल में संपन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से स्थानीय उद्योगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। निवेश के लिये हमने यूके, जर्मनी, जापान और दावोस आदि यात्राएं कीं और हैदराबाद, कोयंबटूर सहित मुंबई में रोड-

शो के माध्यम से उद्योगपतियों को आमंत्रित किया। यह क्षेत्रीय से वैश्विक स्तर तक उद्योग को जोड़ने का पहला सशक्त प्रयास है। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के चिंतन को व्यवहार में उतारने का प्रयत्न किया जा रहा है। समरस, संवेदनशील और उत्तरदायी शासन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं और विकास के लक्ष्य धरातल पर पहुंच रहे हैं। प्रदेश में गरीब कल्याण, किसान कल्याण, युवा शक्ति और नारी सशक्तिकरण को केन्द्र में रखकर 4 मिशन के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। इससे समाज के सभी वर्गों के कल्याण का लक्ष्य पूर्ण होगा। पं. दीनदयाल जी ने आर्थिक विकास के लिए कृषि, उद्योग, परिवहन, व्यापार समाज, सुरक्षा एवं सेवा का एक स्पष्ट और व्यावहारिक क्रम बताया। इस क्रम में कृषि प्रधान देश भारत में खेती को प्रथम स्थान देने की आवश्यकता व्यक्त की। उनका मानना था यदि देश में कृषि सुदृढ़ होगी, तो किसानों की आय बढ़ेगी, ग्रामीण जीवन में स्थिरता आएगी और उद्योगों को कच्चा माल एवं श्रम दोनों सहज रूप से उपलब्ध होगा। इससे किसान, उपभोक्ता और समाज तीनों का संतुलन बना रहेगा। पं. दीनदयाल जी खेती की मजबूती और किसानों की समृद्धि को समग्र विकास का आधार मानते थे। मुझे यह बताते हुए संतोष है कि मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के मार्गदर्शन में किसानों के स्वाभिमान, सुरक्षित जीवन और आत्मनिर्भरता को केन्द्र में रखकर वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई, भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा। कृषि आजीविका के साधन के साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने वर्ष 2025-26 किसानों के कल्याण के लिए समर्पित किया है। मध्यप्रदेश में पार्वती-कालीसिंध-चंबल तथा केन-बेतवा नदी लिंक राष्ट्रीय परियोजना सहित ताप्ती ग्राउंड वॉटर रिचार्ज मेगा परियोजना से प्रदेश के 25 जिलों में 16 लाख हेक्टेयर से अधिक अतिरिक्त कृषि रकबा सिंचित होगा। प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाया जायेगा। प्रदेश में श्रीअन्न, सरसों और चना अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जा रही है। इससे श्रीअन्न का उत्पादन और पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाई मिलेगी। इन केंद्रों के जरिए फसलों की गुणवत्ता और पैदावार बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाएगा। प्रदेश के 30 लाख से अधिक किसानों को अगले तीन साल में सोलर पॉवर पम्प दिये जायेंगे। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 65 लाख हैक्टेयर से बढ़ाकर 100 लाख हैक्टेयर किये जाने का लक्ष्य है। पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने स्वाभिमानी, स्वावलंबी और विश्व कल्याण में अग्रणी भारत की कल्पना की थी। माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में देश इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनका जीवन और दर्शन हम सबको राष्ट्रधर्म के पथ पर निरंतर अग्रसर करता रहेगा।

राष्ट्र निर्माण के अमर साधक पं. दीनदयाल जी की पुण्यतिथि पर पुनः कोटिशः वंदन।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

सम्पादकीय

महाशिवरात्रिः अंधकार से आत्मबोध तक की शिव-यात्रा

सनातन चेतना में महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा के जागरण की दिव्य रात्रि है। यह वह क्षण है जब साधक बाह्य संसार की चंचलता से हटकर अंतर्मन में उतरता है और शिव-तत्त्व का अनुभव करता है। शिव का अर्थ ही है कल्याण। जहाँ शिव हैं, वहाँ भय, द्वंद्व और अज्ञान का स्थान नहीं रहता। आज के भौतिकतावादी और तनावग्रस्त युग में महाशिवरात्रि का महत्व और भी गहरा हो जाता है, क्योंकि यह पर्व मनुष्य को बाहरी सफलता नहीं, बल्कि आंतरिक शांति की ओर ले जाता है। महाशिवरात्रि वह रात्रि है जब प्रकृति स्थिर होती है और चेतना ऊर्ध्वगामी होती है। योगशास्त्र के अनुसार इस रात्रि पृथ्वी की ऊर्जा मानव शरीर में सहज रूप से ऊपर की ओर प्रवाहित होती है। यही कारण है कि इस रात्रि ध्यान, मौन और साधना विशेष फलदायी माने गए हैं। शिव को आदियोगी कहा गया है वे प्रथम गुरु हैं, जिन्होंने मानवता को योग, ध्यान और आत्मानुशासन का मार्ग दिखाया। आधुनिक जीवन और हलाहल विष आज का मनुष्य भी प्रतिदिन हलाहल विष का सामना कर रहा है कार्य का दबाव, प्रतिस्पर्धा, रिश्तों में खटास, अकेलापन, उपभोग की असीम चाह और भविष्य की अनिश्चितता। यह विष धीरे-धीरे मन को अशांत, शरीर को रोगी और आत्मा को थका हुआ बना देता है। समुद्र मंथन की कथा केवल पौराणिक घटना नहीं, बल्कि जीवन का शाश्वत रूपक है। जैसे देवताओं और दानवों के प्रयास से पहले विष निकला, वैसे ही जीवन में परिवर्तन और प्रगति से पहले संघर्ष और पीड़ा आती है। भगवान शिव का विषपान यह संदेश देता है कि जो चेतना में स्थिर है, वही विष को अमृत में बदल सकती है।

डा. पंकज भारद्वाज
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

शिव पूजन बाह्य नहीं, अंतःयात्रा

महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पूजन का आध्यात्मिक अर्थ अत्यंत गूढ़ है। शिवलिंग निराकार और साकार के मिलन का प्रतीक है। जब भक्त जल अर्पित करता है, तो वह अपने चंचल विचारों को शांत करता है; दूध अर्पण कर वह अपनी कठोरता को कोमलता में बदलता है। बेलपत्र अर्पण कर वह अपने तीन दोष काम, क्रोध और लोभ का विसर्जन करता है। आज के समय में शिव पूजन का अर्थ है अपने भीतर के अहंकार, अधैर्य और असंतोष को त्यागना। यही सच्ची आराधना है। महाशिवरात्रि का रात्रि जागरण केवल आँखों का जागना नहीं, बल्कि चेतना का जागरण है। यह आत्मनिरीक्षण की रात्रि है , मैं कौन हूँ, मेरा लक्ष्य क्या है, और मैं किन विषों को ढो रहा हूँ? आज जब समाज अवसाद, हिंसा और असहिष्णुता से जूझ रहा है, तब शिव का मौन और वैराग्य हमें सिखाता है कि हर समस्या का उत्तर शोर में नहीं, स्थिरता में छिपा है भगवान शिव आशुतोष हैं वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं, क्योंकि वे भाव को देखते हैं, प्रदर्शन को नहीं। आज जब आडंबर और दिखावे ने साधना को भी प्रभावित किया है, शिव हमें सरलता और सच्चाई का मार्ग दिखाते हैं। एक क्षण का सच्चा ध्यान, एक आँसू भरी प्रार्थना, एक मौन स्वीकार यह सब शिव को प्रिय है। महाशिवरात्रि हमें यह स्मरण कराती है कि शिव मंदिर में ही नहीं, हमारे भीतर भी विराजमान हैं। जब हम अपने भीतर की नकारात्मकता, क्रोध और भय को स्वीकार कर उसे चेतना के कंठ में रोक लेते हैं, तब जीवन नीलकंठ बन जाता है। विष रहते हुए भी करुणा और संतुलन से भरा। महाशिवरात्रि पर्व आत्मा को शिवमय करने का अवसर है। ये बाहरी अंधकार से नहीं, भीतरी प्रकाश से जीवन को बदलने का पर्व है।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग | लेखक

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मयार्दा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं।

ग्लोबल हेराल्ड

यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दशार्ती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं। विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश सड़कों या नारेबाजी के रूप में फूट पड़ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मयार्दा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है। यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय मयार्दाओं का आग्रह और संवाद के लिए दरवाजे खुले रखने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनके जैसे लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति अपने आप में एक त्रासद और चिंताजनक घटना प्रतीत होती है। यह घटना व्यक्ति विशेष से अधिक उस माहौल की ओर संकेत करती है, जहाँ अविश्वास इतना गहरा हो चुका है कि संवाद और विश्वास के पुल कमजोर पड़ते जा रहे हैं। अंततः यह समय आरोप-प्रत्यारोप से आगे बढ़कर जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। सत्तापक्ष को यह समझना होगा कि मजबूत विपक्ष लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध की भी एक मयार्दा और रचनात्मकता होती है। और अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पदों को यह स्मरण रखना होगा कि उनकी निष्पक्षता केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि व्यवहार और अवसर की समानता से भी सिद्ध होती है। यदि संसद को संवाद का मंच बनाए रखने में हम विफल रहते हैं, तो यह केवल एक सत्र या एक सरकार की विफलता नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक असफलता मानी जाएगी। यही वह बिंदु है जहाँ हर नागरिक, हर जनप्रतिनिधि और हर संस्था को आत्मचिंतन करना होगा, ताकि विकास की राह में विनाश की संभावनाएँ नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और लोकतांत्रिक परिपक्वता का मार्ग प्रशस्त हो सके।

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

हम महाशक्ति बनने के सपने तो देखते हैं, लेकिन...

हम अभी इनोवेशन तो दूर की बात है, क्वालिटी और पैकेजिंग तक में कापी के अलावा कंगाल हैं। ट्रैफिक में अनुशासन नहीं है और शासन-प्रशासन में पारदर्शिता नहीं। 'अगर आप टेबल पर नहीं हैं, तो आप मेन्यू में हैं।' कनाडा के प्रधानमंत्री माइकल कार्नी ने हाल ही में दावोस में हुए विश्व आर्थिक सम्मेलन में यह उक्ति कही थी, जो खूब वायरल हुई। हम अब भी वसुधैव कुटुंबकम की दर्शनशास्त्रीय बातें करते रहते हैं, जबकि उनका भाषण ठोस यथार्थ पर आधारित था। बदलते विश्व-व्यवस्था को लेकर यह एक लाल बत्ती थी। मतलब साफ था कि दुनिया के बड़े ताकतवर देशों को अगर आपकी जरूरत नहीं है, तो वे आपको खाने की मेज पर साथ नहीं बिताएंगे, तब आप उनकी प्लेट में परोसा हुआ भोजन हैं। वे आपको निगल लेंगे, आपका शोषण करेंगे।

यह खेल वर्षों से चल रहा है। फर्क बस इतना है कि अब जीभ और उंगलियों पर फिल्टर नहीं है और राष्ट्रपति ट्रम्प खुलकर बोल रहे हैं। इसके पीछे भी ठोस कारण हैं। याद कीजिए, नरसिंह राव के समय नई आर्थिक नीति, डंकल ड्राफ्ट और WTO की बहसें। तब वैश्वीकरण के नाम पर अमेरिका दुनिया की कलाई मरोड़ रहा था, क्योंकि उसे लगा था कि इससे वैश्विक बाजार उसके लिए खुलेंगे और डालर और ज्यादा 'सोने' जैसा हो जाएगा। शुरूआत में ऐसा हुआ भी। भारत में कोक-पेप्सी, मैकडानल्ड्स, स्टार टीवी, एमटीवी, फोर्ड-शेवरले, डब्ड हालीवुड फिल्में, एप्पल-माइक्रोसाफ्ट-इंटेल, सबके लिए विशाल बाजार खुल गया। लेकिन हमारा माइंडसेट वही भ्रष्ट रहा। नई प्रतिभा और प्रभावी पेटेंट गढ़ने के बजाय, न्यायिक और शैक्षणिक सुधार करने के बजाय, हम हिंदू-मुस्लिम, मंडल-कमंडल में उलझे रहे। आधुनिकता की आजादी रचनात्मक दिमागों को देने के बजाय, प्रेम-विवाह को भी पाप मानने वाली जातिवाद को बढ़ावा देते रहे। इंटरनेट आने से वैज्ञानिक सोच के बजाय धार्मिक उन्माद तेज हुआ। जैसे सही समय पर सोना-चांदी या बिटकाइन न खरीदा हो और अब दूसरों को कमाते हुए बस देखते रहें, आज भारत की हालत वही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटाक, व्हाट्सएप ने भारत से अपार लाभ उठाया, लेकिन हमने टेक्नोलाजी की नकल और उधारी के अलावा ऐसा कोई वैश्विक लाभ नहीं उठाया कि दुनिया ठहर कर नोटिस ले। पश्चिमी ब्रांड्स को भारतीय बाजार मिला, उन्होंने भारी कमाई की। यह भ्रम भी न पालें कि यह सब सिर्फ भारत की वजह से हुआ, वे पहले से ही विशाल मुनाफे वाली कंपनियां थीं, हमारी कमजोर खरीदशक्ति के कारण यहां कमाया गया पैसा उनके लिए निर्णायक नहीं था। पर वैश्विक व्यापार की यह चाल पश्चिम के ही गले पड़ गई, जब चीन ने उन्हीं के बनाए खेल में उन्हीं को मात दे दी। बड़ी-बड़ी घोषणाओं के बजाय चुपचाप काम करने और परिणाम दिखाने की नीति पर चलने वाले देंग शियाओपिंग ने समाजवाद का ढांचा बनाए रखकर भीतर का माल बदल दिया। एक समय भारत से पीछे रहा चीन उत्पादन और अर्थव्यवस्था में तेजी से आगे बढ़ा। रीडरभाई विशाल पारिख ने एक बार सही कहा था कि 'महाशक्ति या विकसित देश बनने को लेकर हमारी मूल समझ ही अधूरी है। भारत के शहरी वर्ग में यह धारणा है कि यूरोप और अमेरिका सिर्फ बाजारवाद/पूंजीवाद अपनाने से विकसित हो गए। यह अधूरा सच है। इन देशों ने बाजारवाद और निजीकरण के साथ-साथ मजबूत लोकतंत्र अपनाया, इसलिए वे विकसित बने। केवल लोकतंत्र ही पारदर्शिता और जवाबदेही को टेबल पर लाता है। पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना पूंजीवाद एक विशाल पोंजी स्कीम है। यह फिएट करेंसी और माडर्न मानेटरी थ्योरी का युग है, जहां सरकारें जितनी चाहें नोट छाप सकती हैं। जब मीडिया, न्यायपालिका, बाजार नियामक, चुनाव आयोग और जांच एजेंसियां मजबूत, स्वायत्त और सरकार से स्वतंत्र होती हैं और तब मुक्त बाजार से उनका मेल होता है, तभी एक स्वस्थ, डिस्पोजेबल आय वाला मिडल क्लास जन्म लेता है। इसी वर्ग से स्टीव जाब्स, एलन मस्क, बिल गेट्स, मार्क जुकरबर्ग जैसे इनोवेटर पैदा होते हैं, जो नई संपत्ति, नई नौकरियां और नया मिडल क्लास रचते हैं। यही चक्र चलता रहे, तभी कोई देश मिडल-इनकम ट्रैप तोड़कर समृद्ध बनता है। इसके विपरीत, जब तानाशाही और पूंजीवाद का मेल होता है, तो ओलिगार्की और मोनोपोली जन्म लेती हैं, जो मिडल क्लास को चूसकर गरीब बना देती हैं। सत्ता के केंद्रीकरण के लिए पूंजी का केंद्रीकरण अनिवार्य होता है। संक्षेप में, स्वस्थ मिडल क्लास लोकतंत्र और पूंजीवाद दोनों की साझा संतान है। लोकतंत्र के बिना पूंजीवाद मध्ययुगीन सामंतवाद जैसा है, जो अधिकतम गिगवर्कर पैदा कर सकता है। और हमारा शहरी (मुख्यतः हिंदू) मिडल क्लास लोकतंत्र को ताक पर रखकर विकसित होने के सपने देख रहा है, जो असंभव है।' इसमें एक और तत्व है-विज्ञान। टेक्नोलाजी खरीदी जा सकती है, जैसे सऊदी अरब ने तेल के पैसों से नियोम फ्यूचर सिटी बनाने की कोशिश की, लेकिन वैज्ञानिक मानसिकता खरीदी नहीं जा सकती। अरबों डालने के बाद भी वह प्रोजेक्ट लगभग फ्लाप हो गया। रूस, अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर, फिनलैंड, इन सबने शिक्षा का ऐसा माहौल बनाया कि बच्चों में स्वाभाविक जिज्ञासा और मौलिक रचनात्मकता पनपे। वे अंकों और पैसे की दौड़ के बजाय दुनिया के लिए कुछ नया रचें, मोबाइल और एआई इसके उदाहरण हैं। चीन में लोकतंत्र नहीं है, फिर भी उसने बाकी मोर्चों पर ईमानदारी से काम कर इनोवेशन और खुशहाल मिडल क्लास खड़ा किया। आज उसकी बीवाईडी कार टेस्ला को टक्कर दे रही है। वह हमारी तरह मुफ्त अमेरिकी सोशल मीडिया इस्तेमाल कर खोखली देशभक्ति नहीं करता। दुनिया के 70 प्रतिशत लैबग्रोन डायमंड चीन के हैं, सूरत में मंदी है। गोल्ड प्रोडक्शन में चीन नंबर वन है, सिल्वर में नंबर टू और रेयर अर्थ मिनरल्स में 90 प्रतिशत उत्पादन उसी का है।

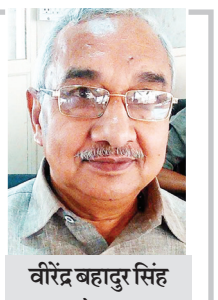

वीरेंद्र बहादुर सिंह
लेखक
ग्लोबल हेराल्ड

(नोटः इस लेख में ये दिए गए विचार लेखक के अपने विचार हैं)

युवकत्व की पहचान

मनुष्य स्वतंत्र संकल्प का स्वामी होता है। उसका संकल्प जैसा होता है, व्यक्तित्व भी वैसा ही ना\मत हो जाता है। सृजन और ध्वंस के संस्कार मनुष्य के भीतर होते हैं। उन संस्कारों को वह संकल्पशक्ति के सहारे बदल सकता है। जिस व्यक्ति में विधायक भावों की प्रचुरता होता है वह ध्वंसात्मक संस्कारों को सृजनशीलता में बदल लेता है। निषेधात्मक भाव व्यक्ति को क्रूरता, हिंसा, अनुशासनहीनता, असदाचार की दिशा में प्रेरित करते हैं। जिस राष्ट्र और समाज में हिंसा का बोलबाला होता है, रास्ते चलते बेगुनाह लोगों को मौत के घाट उतार दिया जाता है, वह उस राष्ट्र और समाज का दुर्भाग्य होता है। उस दुर्भाग्य से बचने के लिए अहिंसक शक्तियों को जगाने और संगठित बनाने की जरूरत है। यह सच है कि हिंसक वारदातें आदमी के मन में दहशत पैदा कर देती हैं। दहशत की स्थिति में कोई भी व्यक्ति न तो सही ढंग से सोच सकता है और न ही अपनी क्षमताओं का उपयोग कर सकता है। भयोत्पादक परिस्थितियों का प्रभाव बच्चों और वृद्धों पर अधिक होता है। युवकों में भय की मात्रा कम होती है। वे जान-बूझकर खतरों को मोल लेते हैं। उनकी मानसिकता साहसिक काम करने की रहती है, किंतु इसमें भी विवेक की अपेक्षा है। विवेक के अभाव में युवक कुछ ऐसे काम कर लेता है, जो उसे उम्र से कई वर्ष आगे ढकेल कर जर्जर बना देते हैं। देश की युवा पीढ़ी सही अर्थ में अपने यौवन को सुरक्षित रखना चाहे और कोई कीर्तिमान स्थापित करना चाहे तो उसे प्रतिस्रोतगामी बनना होगा। अनुस्रोत में बहना सरल होता है। एक पतला-सा तिनका भी प्रवाह में बह जाता है, पर विपरीत दिशा में बहने के लिए शक्ति की जरूरत होती है। भोगवादी प्रवृत्ति युग का प्रवाह है। इस प्रवाह को मोड़कर त्यागप्रधान मनोवृत्ति का निर्माण करना युवा होने की सार्थकता है। सत्य के प्रति अनास्था लोकजीवन का एक स्वर है। इस स्वर को बदल कर सत्यनिष्ठा का विकास करना युवकत्व की पहचान है।

ग्लोबल हेराल्ड में प्रकाशित होने वाले लेख लेखकों के निजी विचार है

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ■

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। आज वाहन और घातु शेयरों में जमकर खरीदारी हुई जिससे बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 208.17 अंक बढ़कर 84,273.92 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 67.85 अंक उछलकर 25,935.15 पर बंद हुआ। आज निफ्टी ऑटो , निफ्टी मेटल , निफ्टी कंजप्शन, निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी पीएसई और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही जबकि फ्टी फार्मा, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयरों में गिरावट रही।

आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 294.75 अंक बढ़कर 60,735.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 65.30 अंक उछलकर 17,451.20 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एमएंडएम, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एलएंडटी, टीसीएस, मारुति सुजुकी, एक्सिस बैंक, एचयूएल, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टाइटन, सन फार्मा और बजाज फिनसर्व के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, एसबीआई, इंडिगो और बीईएल के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार की मजबूती के साथ शुरूआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद स्तर से करीब 144 अंकों की तेजी के साथ 84,210 के स्तर पर खुला और शुरूआती कारोबार में 84,270 के आसपास पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 भी करीब 57 अंकों की बढ़त के साथ 25,922.65 के स्तर पर कारोबार शुरू किया। सुबह शुरूआत के बाद सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंकों की मजबूती के साथ 84,270 के ऊपर ट्रेड करता दिखा। निफ्टी भी 56 अंकों की तेजी के साथ 25,924 के आसपास बना रहा। आजएशियाई बाजारों में जापान का निक्केई, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार हरे निशान में कारोबार करते नजर आए।

मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा की बिक्री में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली ■

नए साल 2026 की शुरूआत मारुति डिजायर और हुंडई ऑरा दोनों मॉडलों के लिए खासतौर पर शानदार रही। बीते महीने जनवरी में डिजायर की 19,629 यूनिट और ऑरा की 7,978 यूनिट की बिक्री हुई, जो पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में बड़ी बढ़ोतरी है। जनवरी 2025 में डिजायर की 15,383 यूनिट और ऑरा की 5,388 यूनिट बिकी थीं। पिछले महीनों में भी डिजायर और ऑरा ने शानदार प्रदर्शन किया। जुलाई 2025 में डिजायर की 20,895 यूनिट और ऑरा की 4,636 यूनिट बिकीं। अगस्त 2025 में डिजायर ने 16,509 यूनिट और ऑरा ने 5,336 यूनिट की बिक्री दर्ज की। सितंबर 2025 में डिजायर की 20,038 यूनिट, जबकि ऑरा की 5,387 यूनिट बिकीं। अक्टूबर

2025 में यह आंकड़े क्रमशः 20,791 और 5,815 रहे। नवंबर 2025 में डिजायर की 21,082 यूनिट और ऑरा की 5,731 यूनिट बिकीं, जबकि दिसंबर 2025 में डिजायर 19,072 और ऑरा 4,925 यूनिट पर दर्ज हुई। मारुति डिजायर अपने अपडेटेड डिजाइन, एलईडी हेडलाइट्स, स्टाइलिश ग्रिल, वाय-आकार की एलईडी टेललाइट्स और बूट स्पॉइलर की वजह से काफी लोकप्रिय है। इंटीरियर में बेज-ब्लैक थीम, 9-इंच टचस्क्रीन, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो/एप्पल कारप्ले, क्रूज कंट्रोल, सनरूफ और 360-डिग्री कैमरा जैसे फीचर शामिल हैं।

सोना 2,065 की गिरावट के साथ खुला, चांदी भी फिसली

नई दिल्ली। सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरूआत मंगलवार को कमजोरी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार में दोनों कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नरमी का रुख बना रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2,065 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,001 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,58,066 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 776 रुपये टूटकर 1,57,290 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में सोने ने 1,58,070 रुपये का उच्च और 1,56,001 रुपये का निचला स्तर छुआ। पिछले महीने सोने ने 1,80,779 रुपये का रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाया था।

टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग होगी जल्द

नई दिल्ली ■

भारत में टेक्नो कंपनी ने अपने नए स्टाइलिश हैंडसेट टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी की लॉन्चिंग जल्द होने वाली है। कंपनी ने एक्स पर घोषणा करते हुए बताया कि नया पोवा कर्व 2 भारत में 13 फरवरी दोपहर 12 बजे पेश किया जाएगा। यह मॉडल पिछले साल मई 2025 में लॉन्च हुए पोवा कर्व 2 5जी का अपग्रेडेड वर्जन है।

लॉन्च के बाद यह फोन अमेजन पर खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। डिजाइन को लेकर टेक्नो पहले ही टीजर जारी कर चुका है। इसमें एक प्रीमियम घुमावदार रियर पैनल दिखाई देता है, जो किनारों की ओर स्लिम होता जाता है। बैक पैनल पर मैट फिनिश दी गई है और संपूर्ण लुक इसे बजट से ज्यादा मिड-रेंज

स्मार्टफोन जैसा बनाता है। कंपनी ने पुष्टि की है कि टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी तीन आकर्षक रंगों काला, सिल्वर और बैंगनी में उपलब्ध होगा। फोन का डिजाइन पिछले मॉडल की तुलना में कहीं अधिक स्लीक और प्रीमियम नजर आ रहा है। स्पेसिफिकेशन्स का आधिकारिक खुलासा अभी बाकी है, लेकिन रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि टेक्नो पोवा कर्व 2 5जी में मीडियाटेक एमटी 6858 एसओसी, अधिकतम 12जीबी रैम और एंड्राएड 16 ओएस दिया जा सकता है।

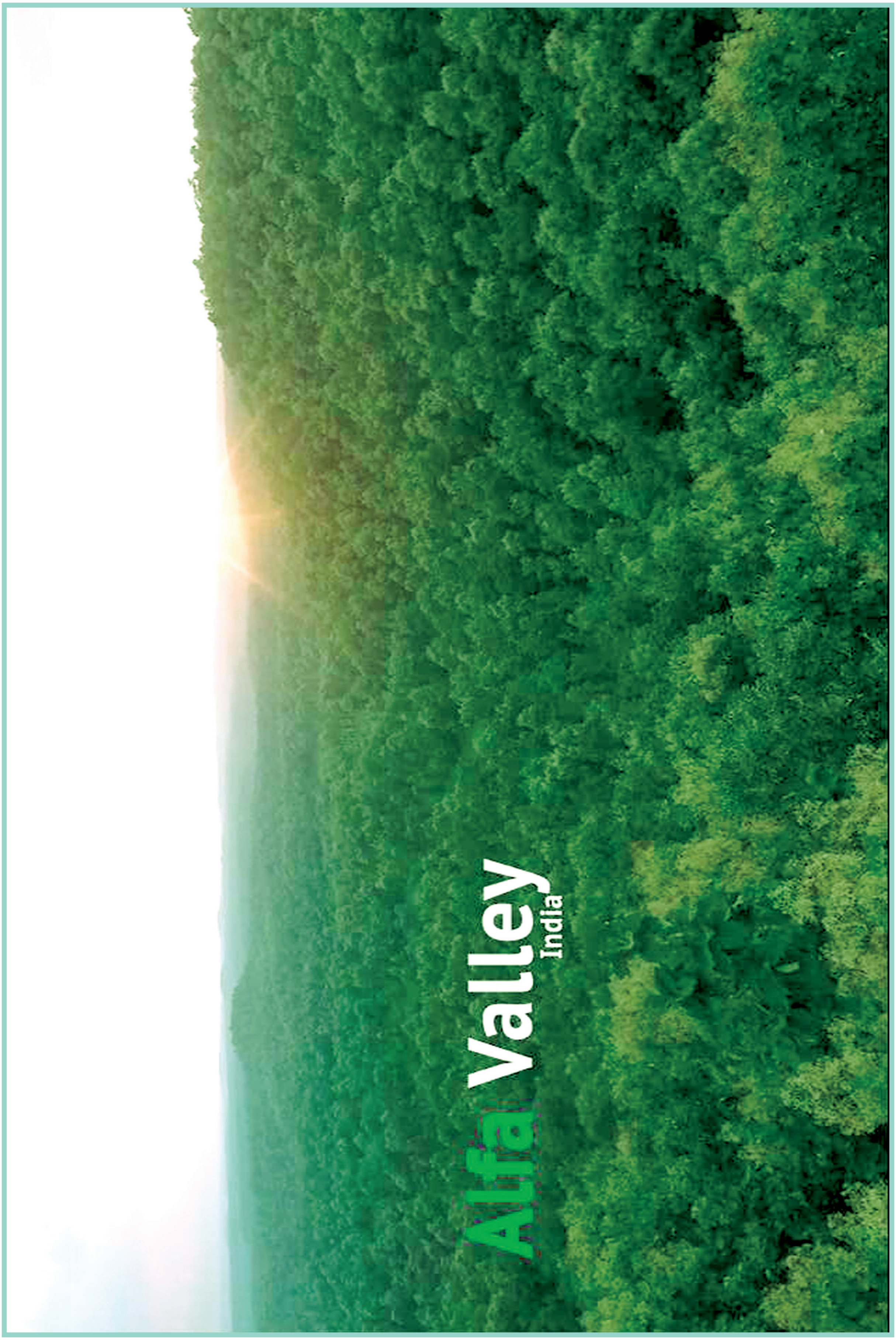
Alfa Valley
India

न्यूजीलैंड की लगातार दूसरी जीत, यूएई 10 विकेट से हारी:174 का टारगेट 15.2 ओवर में चेज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी हासिल की है। कीवियों ने मंगलवार के दूसरे मैच में यूएई को 10 विकेट से हराया। चेन्नई के चेपॉक मैदान पर न्यूजीलैंड ने 174 रन का टारगेट 15.2 ओवर में बिना नुकसान के चेज कर लिया। ओपनर टिम सइफर्ट (89* रन) और फिन एलन (84* रन) ने फिफ्टी लगाई। दोनों ने 175 रन ओपनिंग साझेदारी की। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में न्यूजीलैंड के ओपनर्स की सबसे बड़ी साझेदारी है। यूएई ने टॉस जीतकर बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 173 रन बनाए। कप्तान मुहम्मद वसीम ने 66 रन बनाए। अलीशान शराफू ने 55 रनों का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के मैट हेनरी ने 2 विकेट झटके। जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स को एक-एक विकेट मिला।

सइफर्ट के छक्के से जीता न्यूजीलैंड

न्यूजीलैंड ने 174 रन का टागरेट 15.2 ओवर में जीत कर लिया है। टिम सइफर्ट ने मोहम्मद राशिद खान की दूसरी बॉल पर छक्का लगाकर कीवियों को 10 विकेट की जीत दिलाई। 15वें ओवर में जुनैद सिद्दिक ने महज 6 रन दिए। सभी रन सिंगल के जरिए आए। यहां से कीवियों को जीत के लिए 6 रनों की जरूरत है। 14वें ओवर में न्यूजीलैंड ने 150 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। फिन एलन ने अरफान की पहली बॉल पर छक्का लगाया और टीम को 150 पार पहुंचाया। 9वें ओवर में न्यूजीलैंड ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी ओवर में फिन एलन ने 27 बॉल पर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने टिम सइफर्ट के शतकीय साझेदारी पूरी की।

टिम सईफर्ट के हाथ में बॉल लगी

9वें ओवर में न्यूजीलैंड के ओपनर टिम सईफर्ट के हाथों पर बॉल लगी। जुनैद सिद्दिकी की आखिरी बॉल पर फिन एलन के बॉल की दिशा में शॉर्ट खेला। जोकि सईफर्ट के हाथ पर लगी। हालांकि, इस बॉल पर कोई रन नहीं आया। 174 रन का टारगेट चेज कर रही न्यूजीलैंड ने पावरप्ले में मजबूत शुरुआत की है। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में बिना नुकसान 78 रन बना लिए हैं। पावरप्ले के आखिरी ओवर में टिम सईफर्ट ने मोहम्मद राशिद खान की बॉल पर लगातार 4 बाउंड्री लगाईं। इनमें दो चौके और 2 छक्के शामिल रहे। राशिद के इस ओवर से 20 रन आए। 5वें ओवर में न्यूजीलैंड ने 50 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। सइफर्ट ने ध्रुव पराशर की बॉल पर एक रन लेकर टीम स्कोर 50 पार पहुंचाया। इसी के साथ सइफर्ट ने फिन एलेन के साथ फिफटी पार्टनरशिप भी कर ली।

टी-20 वर्ल्ड कप- भारतीय खिलाड़ी परिवार के साथ नहीं रहेंगे मैनेजमेंट ने मंजूरी मांगी थी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारतीय क्रिकेटर अपने परिवार (पत्नियां और मंगेतर) के साथ नहीं रह सकेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम मैनेजमेंट की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें खिलाड़ियों की पत्नियों और मंगेतरों को टीम होटल में साथ ठहराने की अनुमति मांगी गई थी।

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों के परिवार को टीम के साथ ठहरने की इजाजत नहीं है। हालांकि, यदि कोई खिलाड़ी चाहे तो अपने परिवार के लिए होटल में अलग ठहरने की व्यवस्था खुद कर सकता है। इसकी पूरी जिम्मेदारी उसे उठानी होगी। इसके लिए बीसीसीआई की ओर से कोई इंतजाम नहीं किया जाएगा। भारत टी-20 वर्ल्ड कप का सह-मेजबान है। बीसीसीआई का मानना है कि टीम को केवल पाकिस्तान से मुकाबले के लिए श्रीलंका जाना है। ऐसे में खिलाड़ियों को परिवार के साथ रहने की जरूरत नहीं है। बीसीसीआई की खिलाड़ियों के साथ परिवार के रहने की शर्तें स्पष्ट हैं। मौजूदा नीति के तहत यदि कोई विदेशी दौरा 45 दिनों से ज्यादा लंबा है, तो खिलाड़ियों का परिवार अधिकतम 14 दिन तक साथ रह सकता है। हालांकि, यह नियम किसी भी आईसीसी या मल्टीनेशन टूर्नामेंट पर लागू नहीं होता। कोविड-19 के बाद पूरे दौरे के दौरान परिवार को साथ रखने की परंपरा शुरू हुई थी। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) 2024-25 में भारत की 1-3 से हार के बाद बीसीसीआई ने अपनी यह पॉलिसी बदल दी है।

मनोरंजन

कुछ लोग मुझे एक्टिंग छोड़ने के लिए कर रहे मजबूर : पायल राजपूत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती अभिनेत्री पायल राजपूत का कहना है कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह पीछे हटने वाली नहीं हैं। पायल राजपूत ने एक बार फिर अपने संघर्ष, दृढ़ता और मजबूत इरादों को खुलकर रखा है। पायल का कहना है कि कठिन समय ने भले ही उन्हें हिलाया हो, लेकिन तोड़ा नहीं। पायल ने एक्स पर लिखते हुए कहा, वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं। कई बार मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे रुक जाना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों की अपनी कड़ी मेहनत को याद करती हूं। तब मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी। उनका यह बयान उन सभी कलाकारों के दिल से जुड़ता है, जो संघर्ष के दौर से गुजर रहे हैं। नेपोटिज्म और फेवरेटिज्म जैसे मुद्दों पर पायल पहले भी बेबाक रुख अपनाती रही हैं। उन्होंने अपने पिछले पोस्ट में लिखा था कि एक्टर बनना सबसे कठिन करियर में से एक है, क्योंकि यहां हर दिन अनिश्चितता से भरा होता है। उनके अनुसार अक्सर टैलेंट के ऊपर बड़े सरनेम, मजबूत कनेक्शन और पावरफुल एजेंट्स हावी हो जाते हैं। इस वजह से कई बार वे सोचने पर मजबूर हो जाती हैं कि उनकी मेहनत इस सिस्टम में पहचानी जाएगी भी या नहीं। उन्होंने कहा था कि अक्सर अक्सर उन्हीं लोगों के पास चला जाता है जिनके पास प्रभावशाली पहचान या बैकग्राउंड होता है। इसके बावजूद पायल ने अपनी हिम्मत नहीं खोई और उम्मीद बनाए रखी।

अनुपम खेर ने की अपने म्यूजिक टीचर से मुलाकात, हुए भावुक

हाल ही में दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपने कॉलेज के समय के म्यूजिक टीचर प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू से मुलाकात की। इस दौरान वे भावुक हो गए। अनुपम आजकल गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहे हैं। अभिनेता ने म्यूजिक टीचर से मुलाकात का किस्सा फैंस के साथ शेयर किया। अभिनेता ने बताया कि वे गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनके टीचर प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू को इसकी खबर मिली, तो टीचर ने मिलने की इच्छा जताई, जिसके बाद अभिनेता ने मुलाकात की। अभिनेता ने वीडियो शेयर कर लिखा, 53 साल बाद मुलाकात, प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू 1972-73 में शिमला में मेरे म्यूजिक टीचर हुआ करते थे। उन्होंने हमारे कॉलेज के नाटकों के लिए संगीत भी तैयार किया था। जब मैं गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहा था, तब किसी तरह उनसे मुलाकात हो गई। अभिनेता ने आगे लिखा, उनका आशीर्वाद पाकर दिल बहुत खुश हो गया। वे मुझे बार-बार बेटा कहकर बुला रहे थे। इस उम्र में मुझे बेटा कहने वाले बहुत कम लोग हैं, मां के अलावा। अभिनेता ने आखिरी में लिखा, भारत सरकार ने उन्हें 2024 में पद्म श्री से सम्मानित किया। सच कहूं तो उस जमाने में स्कूल और कॉलेज के शिक्षक सिर्फ विषय ही नहीं पढ़ाते थे, बल्कि जिंदगी और उसके सबक भी सिखाते थे। सर, आपके प्यार, ज्ञान और सीख के लिए दिल से धन्यवाद।

बॉलीवुड में बदलाव पर जीनत अमान ने उठाए सवाल

हाल ही में इंस्टाग्राम पर भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री जीनत अमान ने 1970 के दशक की फिल्म तीसरी आंख का एक खास सीन पोस्ट किया, जिसमें उनका किरदार बरखा काफी आक्रामक है और वह शरारती अंदाज में धर्मेंद्र के किरदार अशोक भोला का पीछा करती दिखती है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, पुरानी फिल्मों में सीन दोबारा देखना हमेशा एक अनोखा और मजेदार अनुभव होता है। कभी पता नहीं चलता है कि कौन सा सीन दिल को छू लेगा या फिर सोचने पर मजबूर कर देगा। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्होंने कुछ हफ्ते पहले फिल्म दोस्ताना का एक विलप शेयर किया था, जिसमें अमिताभ बच्चन का किरदार इंस्पेक्टर विजय किसी महिला को छेड़ता और स्लट-शेमिंग करता नजर आता है। अब तीसरी आंख का सीन शेयर कर उन्होंने पूछा कि क्या सिर्फ दो सालों में हिंदी सिनेमा में हीरोइनों की भूमिका इतनी तेजी से बदल गई? जीनत ने लिखा, फिल्म दोस्ताना में पुरुष किरदार आक्रामक था, जबकि तीसरी आंख में महिला का किरदार बरखा आक्रामक है और पुरुष का किरदार अनिच्छुक शिकार बनता है। यह एक तरह का जेंडर फ्लिप है। दोस्ताना का सीन गुस्सा दिलाता है, जबकि यह सीन मजेदार लगता है, क्योंकि पारंपरिक भूमिकाएं उलट गई हैं। अभिनेत्री ने बाद में ये साफ किया कि वह बरखा के इस व्यवहार का समर्थन नहीं करती, ठीक वैसे ही जैसे दोस्ताना में इंस्पेक्टर विजय के व्यवहार का समर्थन नहीं कर सकतीं। उन्होंने कहा, बॉलीवुड ने कई बार मस्ती और शरारत के नाम पर जुनून और दीवानगी को बढ़ावा दिया। उन्होंने असल प्यार दिखाने की बजाय जुनूनी रोमांस को महिमामंडित किया गया। मैंने भी इस तरह के रोमांस के विचार को फैलाने में भूमिका निभाई है। अब मैं इसे ठीक करने की छोटी कोशिश कर रही हूं।

यूएफा महिला चैंपियंस लीग खेलने वाली पहली भारतीय महिला फुटबॉलर हैं मनीषा

लीमा ■ एजेंसी

भारतीय महिला फुटबॉलर मनीषा कल्याण मनीषा यूएफा महिला चैंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर हैं। इसके बाद से ही उन्हें विदेशी लीग से प्रस्ताव मिलने शुरु हुए। अब मनीषा पेरु के क्लब एलियांजा लीमा से खेलती हुई नजर आयेंगी। मिडफील्डर मनीषा ने हाल ही में इस क्लब से करार किया है। मनीषा के अनुसार इससे उन्हें काफी कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मनीष के अनुसार वह इस टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा, ''मैं इस क्लब में आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का अंदाज काफी अच्छा लगता है।मैं अब इस नई चुनौती को लेकर बेहद उत्साहित हूं। वहीं क्लब एलियांजा ने कहा, ''मनीषा के साथ करार से हमें खुशी हुई है। उनके आने से हैं टीम को मजबूत मिलेगी। उन्होंने यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेला है जिसका लाभ क्लब को मिलेगा। ''साथ ही कहा , ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। ''वहीं मनीषा ने कहा कि उसका प्रयास क्लब के लिए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उनका ध्यान अपना सौ फीसदी देने पर रहेगा।

जोस बटलर बोले- वैभव जैसा खिलाड़ी कभी नहीं देखा, उनकी काबिलियत बेमिसाल

अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में 175 रन की पारी खेली थी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने 14 साल के भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। बटलर ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में इससे बेहतर खिलाड़ी नहीं देखा, खासकर इतनी कम उम्र में। बटलर ने यह बात लव फॉर क्रिकेट पॉडकास्ट में कही। उन्होंने कहा- 14 साल की उम्र में जिस तरह वैभव बल्लेबाजी कर रहा है, वह हैरान करने वाला है। अगर वह अभी ऐसा खेल रहे हैं, तो 16, 18 या 20 साल की उम्र में कितना आगे जाएंगे, इसकी कल्पना ही की जा सकती है।

पॉडकास्ट में मौजूद तेज गेंदबाज मार्क वुड ने बटलर से कहा कि यह बहुत बड़ा बयान है और पूछा कि क्या वैभव आगे चलकर सुपरस्टार बनेगा या रास्ते में भटक भी सकता है। इस पर बटलर ने कहा कि वैभव की प्रतिभा पर शक करना मुश्किल है। 14 साल की उम्र में ऐसा प्रदर्शन अपने आप में बड़ी बात है।

आईपीएल में भी शतक लगा चुके

बटलर ने यह भी कहा कि अगर वैभव ने सिर्फ अंडर-19 क्रिकेट में ही रन बनाए होते, तो लोग सीनियर क्रिकेट का इंतजार करते। लेकिन वे आईपीएल में भी शतक लगा चुके हैं और पहली ही गेंद पर छक्का मार चुके हैं, यह उसकी काबिलियत दिखाती है।

आईसीसी ने इस बार टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायीं : अश्विन

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने टी20 विश्वकप के लिए अच्छी पिचें बनायी है। अश्विन के अनुसार इससे मुकाबले रोमांचक हो रहे है क्योंकि पिच से बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट की शुरुआत में हर कोई सोच रहा था कि विश्वकप में बड़े स्कोर बनेंगे पर अभी तक हुए मैचों में ये बात गलत साबित हुई है। ये खुशी की बात है कि आईसीसी ने ऐसी पिचें तैयार की हैं जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी टक्कर हो रही है। इससे खेल का स्तर बढ़ा है। अश्विन ने कहा कि टेस्ट खेलने वाले देश आईपीएल और द्विपक्षीय सीरीज की तरह ही ऐसी पिचों की उम्मीद करते हैं जिसपर आसनी से रन आयें। इस बार ऐसी टीमों को हैरानी हुई है।

सूर्यकुमार ने कप्तान के तौर पर अपने को साबित किया : गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मेरा काम आसान कर देते हैं। गंभीर ने कहा कि टी20 प्रारुप में कप्तान बनाये जाने के बाद से ही सूर्या ने अपनी जिम्मेदारी काफी अच्छे से निभाई है। वह हर प्रकार से सफल रहे है। दबाव के बीच भी उनकी नेतृत्व क्षमता को सभी ने देखा है। एक वीडियो में गंभीर ने कहा कि टीम में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज से भारतीय टीम को काफी लाभ होता है। टीम के लिए ये खुशी की बात है कि उसे ऐसा कप्तान और बल्लेबाज मिला है जो संयमित रहते हुए सभी का सही उपयोग करता है। इससे कोच के तौर पर मेरा काम भी आसान हो गया है।

LITTAL®
www.pramodmarutiparts.com

अब आप भी बन सकते हैं
ग्लोबल रिपोर्टर
अपने आस-पास होने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियां, घटना-दुर्घटना की खबर, फोटो या वीडियो हमें वाट्सएप करें
7999509078
ना केबल कनेक्शन की झंझट, ना ही सेट-टॉप बॉक्स का खर्चा
ग्लोबल हेराल्ड न्यूज़ अब IPTV पर भी
बस एक बार गूगल करें और देखें हमेशा ताज़ातरीन खबरें
www.globalheraldtv.com
ग्लोबल हेराल्ड NATIONAL HERALD
न्यूज़ पेपर न्यूज़ चेनल वेब टीवी
globalheraldeditor@gmail.com

ALFA VALLEY
coming soon...
ALFA VALLEY
"Heal the world, make it a better place, for you and for me and the entire human race."
Glad to share that we are working on Alfa Valley, our 220 acre land near Kolar Dam, Bhopal.
The project entails a huge plantation comprising 100000 trees, water conservation, organic farming and a wellness center.
- Spread across 220 acres of green land in Saras.
- Situated near Kolar Dam, Bhopal.
- Ample open space around the property.
- Fabulous Views over the countryside.
- Surrounded by Dam, Trees, Terrains, Grassland, Vegetables, Fruits.
MOB.+919977200123 Email-alfavalley@rediffmail.com

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **डॉ.शिशिर उपाध्याय**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org/globalheraldeditor@gmail.com